तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 5 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-6 ■ वर्ष -42 ■ अंक-098 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 06 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

महान पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजनबाई का निधन

रायपुर 5 जुलाई.छत्तीसगढ़ की पहचान और पंडवानी की विश्वविख्यात लोकगायिका तीजन बाई का रविवार को 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं और रायपुर एम्स में उपचाररत थीं, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से कला और संस्कृति जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। तीजन बाई ने अपनी दमदार आवाज, जीवंत अभिनय और अनूठी प्रस्तुति शैली से महाभारत की कथाओं को मंच पर इस तरह जीवंत किया कि पंडवानी देश की सीमाओं से निकलकर अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल कर सकी। उन्होंने दशकों तक भारत की लोक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए दुनिया के अनेक देशों में प्रस्तुति दी और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। भिलाई के पास गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई के पिता हुनुकलाल परधा और माता सुखवती थीं। बचपन में वे अपने नाना ब्रजलाल से महाभारत की कथाएं सुनती थीं। यही संस्कार आगे चलकर उनके जीवन का आधार बने। उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उमेद सिंह देशमुख ने उन्हें मार्गदर्शन दिया। महज 13 वर्ष की आयु में उन्होंने पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनके जीवन में बड़ा मोड़ तब आया, जब प्रसिद्ध रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उनकी प्रस्तुति देखी। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान मिली। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के समक्ष अपनी कला का प्रदर्शन किया।

'भारत एक खोज' में मिला मौका

इतनी ही नहीं प्रसिद्ध निर्देशक श्याम बेनेगल भी उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें अपने धारावाहिक 'भारत एक खोज' में महाभारत प्रसंग के लिए आमंत्रित किया। इस तरह से उनकी कला घर-घर तक पहुंचीं। भिलाई स्टील प्लांट ने उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें साल 1986 में नौकरी दी।

प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर ने दिया सम्मान

प्रदेश के प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उनका सम्मान किया। उन्हें भोपाल के भारत भवन से पंडवानी गाने का न्यौता दिया। यहीं पर उनकी मुलाकात तनवीर से हुई थी। तनवीर उनके गायन, गर्जन और अभिनय से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने पंडवानी गाने का मौका दिलवाया।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर पहुंचकर पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना और विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई तथा छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

पूरा देश शोकाकुल, राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ की लोककला पंडवानी को देश-विदेश में स्थान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर उनके गांव गनियारी से लेकर दिल्ली तक शोक की लहर है. उनके निधन पर राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ तमाम दिग्गज नेताओं ने उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है.

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि उन्होंने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली उपस्थिति और अनोखी प्रस्तुति से महाभारत की कथाओं को मंच पर जीवंत किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोककला पंडवानी को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में विशिष्ट पहचान दिलाई. उनका जाना कला एवं संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी दिग्गज पंडवानी गायिका के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लोक कलाओं के क्षेत्र में अपनी गायकी से अमिट छाप छोड़ने वाली लोकप्रिय पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन से मुझे गहरी वेदना की अनुभूति हुई है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पंडवानी गायिका के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई का निधन अत्यंत दुखद है.

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ की माटी की गौरव, लोक संस्कृति को वैश्विक पटल पर अमिट पहचान दिलाने वाली विश्वविख्यात पण्डवानी गायिका, पद्म विभूषण तीजन बाई के देहावसान पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

कई अवॉर्ड से सम्मानित हैं तीजन बाई

भारतीय लोक कला में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण प्रदान किया गया। इसके अलावा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, श्रेष्ठ कला आचार्य सम्मान, देवी अहिल्या सम्मान, एम.एस. सुब्बालक्ष्मी शताब्दी पुरस्कार, डी.लिट सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से उन्हें नवाजा गया।

'महाभारत' नहीं करती, महाभारत की कथा सुनाती हूं',इंदिरा गांधी से बोलीं थीं तीजनबाई

रायपुर,5 जुलाई। पंडवानी गायन शैली से देश-विदेश में छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाली मशहूर गायिका तीजनबाई की गायिका से प्रभावित होकर देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि आप बहुत शानदार महाभारत कथा सुनाती हैं। इस पर तीजन ने तपाक से जवाब देते हुए कहा था कि 'मैं महाभारत नहीं करती पर महाभारत की कथा सुनाती हूं'। पंडवानी गाने की वजह से उन्हें अपने पति तक को छोड़ना पड़ा। एक महिला की ओर से इस गायनशैली में महाभारत की कथा सुनाने की वजह से उन्हें लोगों के अनगिनत ताने सुनने पड़े। समाज और परिवार ने उनका काफी विरोध किया। उन्हें अपने ही घर में विरोध का सामना करना पड़ा। उन्हें घर से निकाल दिया गया। पंडवानी की वज़ह से पहली शादी भी टूट गई। इतना ही नहीं दूसरी शादी भी पंडवानी के कारण टूटने की कगार पर थी। इसके बाद भी उन्होंने पंडवानी नहीं छोड़ी। पंडवानी उनके रग-रग में था। वो जीवनभर पंडवानी के लिये जीती रहीं या कहें कि पंडवानी और तीजनबाई एक दूसरे के पूरक हैं, तो इसमें कोई अतिसंयोक्ति नहीं होगी।

एक बार छत्तीसगढ़ में मंच पर तीजन बाई पंडवानी गा रही थी, तो उनके पति ने गुस्सा होकर अभद्र भाषा में बोलते हुए कड़ा एतराज जताया इस पर तीजन ने तंबूरा उठाकर जोर से कहा कि तुमने सिर्फ मेरा नहीं बल्कि मेरी कला और मंच का भी अपमान किया है। इसलिए अब तम माफी के योग्य नहीं हो। आज से तुम मेरे कोई नहीं हो।

आफत की बारिश: छुरा में ढहा कुसुमबोड़ा पुल

गरियाबंद,5 जुलाई। छत्तीसगढ़ में मानसूनी गतिविधियां तेज हो रही है. प्रदेश के सभी संभागों के अधिकांश जिलों में पिछले 24 घंटों में जमकर बारिश हुई. आसमान में काले बादलों ने डेरा डाला हुआ है. भारी बारिश के कारण गरियाबंद जिले के कुसमी-छुरा मार्ग पर पुराना कुसुमबोड़ा पुल टूट गया है.

दर्जनभर गांव का छुरा मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे आवाजाही पूरी तरह से थम गई है. जानकारी के मुताबिक, कई गावों को छुरा मुख्यालय से जोड़ने वाला कुसुमबोड़ा पुल लगभग 40 साल से भी ज्यादा पुराना था. समय के साथ यह पुल काफी जर्जर हो चुका था. पुल टूटने से कोसमी, नवापारा, सारागांव, दुल्ला, चुरकीदादार, बम्हनी सहित दर्जनों गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. यह मार्ग ओडिसा के नुआपड़ा जिले को भी जोड़ता है, जहां से अंतरराज्यीय व्यापार होता आ रहा था. प्रभावित ग्रामीणों की प्रशासन से मांग है कि आवाजाही के लिए नए पुल का निर्माण किया जाए. छुरा और फिंगेश्वर तहसील में पिछले 24 घंटे में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है. दोनों तहसील में अबतक सर्वाधिक 100 मिमी से ऊपर बारिश अब तक दर्ज की जा चुकी है. बारिश के चलते तापमान में गिरावट तो आई पर बारिश कुछ परिवार के लिए मुसीबत बन गई. फिंगेश्वर के कुम्हार पारा में जल भराव की स्थिति निर्मित हो गई. यहां कई कुम्हार मिट्टी को बर्तन बनाए हुए थे, लेकिन उनके घरों के पानी घुसने से बर्तन टूट गया है.

अनुकंपा नियुक्ति कोई कानूनी अधिकार नहीं, संकट की घड़ी में राहत का विशेष प्रावधान : सुप्रीम कोर्ट

बिलासपुर, 5 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि यह किसी व्यक्ति का कानूनी अथवा निहित अधिकार नहीं है, बल्कि कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को तत्काल आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी जाने वाली विशेष व्यवस्था है। शीर्ष अदालत ने छत्तीसगढ़ के एक मामले में यह व्यवस्था दोहराते हुए विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) खारिज कर दी।जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस चंद्रशेखर की खंडपीठ ने छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी अंकित कुमार नाविक द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता के पिता स्वर्गीय हरीकिशन नाविक बालौदाबाजार जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत थे और वर्ष 2011 में उनका निधन हो गया था। उस समय याचिकाकर्ता नाबालिग था, जबकि उसकी माता पहले से ही शासकीय सेवा में कार्यरत थीं और परिवार को पेंशन भी मिल रही थी।वयस्क होने के बाद अंकित कुमार ने वर्ष 2015 में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जिसे निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के कारण अस्वीकार कर दिया गया। वर्ष 2018 में प्रस्तुत दूसरा आवेदन भी इसी आधार पर निरस्त कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन दोनों अदालतों ने राहत देने से इनकार कर दिया।सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करना है, न कि वर्षों बाद रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना।

अनुकंपा नियुक्ति: ज्यादा योग्यता होने पर भी नहीं चुन सकते मनपसंद पद

बिलासपुर,5 जुलाई। हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के मामले में महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता अधिक होने पर भी मनपसंद पद पर अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल सकता। इसके साथ ही शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) और बीएड पास महिला को चपरासी पद स्वीकारने के निर्देश दिए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार को तत्काल वित्तीय संकट से उबारना है, न कि योग्यता के आधार पर नियमित रोजगार प्रदान कराना। उम्मीदवार के पास उच्च शैक्षणिक योग्यता होने मात्र से वह अनुकंपा नियुक्ति के तहत अपनी पसंद के या किसी उच्च पद (जैसे वर्ग-3) पर दावा नहीं कर सकता। जस्टिस विभू दत्त गुरु की एकल पीठ ने सक्ती जिले की एक महिला की याचिका को खारिज करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा उसे चपरासी (वर्ग-4) के पद पर दिए गए नियुक्ति आदेश को पूरी तरह सही ठहराया है। बाराद्वार, जिला सक्ती निवासी मीनाक्षी चंद्रा के पति हीरा राम चंद्रा शासकीय प्राथमिक शाला लहंगा में प्रधान पाठक थे। 29 नवंबर 2025 को उनका निधन हो गया था। पति की मृत्यु के बाद मीनाक्षी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने 18 मार्च 2026 को अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी करते हुए चपरासी पद पर पोस्टिंग दी। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति किसी व्यक्ति का मौलिक या वैधानिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह सरकार की एक विशेष कल्याणकारी नीति है, जिसका उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है।

5वीं की मार्कशीट बनी ढाल, नौकरी लौटाने का आदेश

बिलासपुर,5 जुलाई। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सरकारी नौकरी से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि भारत सरकार के प्रौढ़ शिक्षा मिशन के तहत जारी कक्षा 5वीं की मार्कशीट भी राज्य की सामान्य 5वीं की मार्कशीट के बराबर मानी जाएगी। इसी फैसले के साथ कांकेर की महिला सफाईकर्मी लता कोर्राम को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी बर्खास्तगी को अवैध बताते हुए तुरंत नौकरी पर बहाल करने और 40 फीसदी बकाया वेतन देने का आदेश दिया है। मामला तब शुरू हुआ जब लता कोर्राम ने 2014 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के तहत 5वीं की परीक्षा पास की थी। इसी योग्यता के आधार पर उन्हें 2022 में नौकरी मिली, लेकिन महज तीन महीने बाद यह कहते हुए हटा दिया गया कि उनकी मार्कशीट निर्धारित पात्रता के बराबर नहीं है।

पेट्रोलिंग वाहन को देखकर भाग रहे युवक की हार्ट अटैक से मौत

धमतरी,5 जुलाई। धमतरी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस पेट्रोलिंग वाहन को देखकर भाग रहे एक युवक की तबीयत अचानक बिगड़ गई और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. बहरहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है. मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के लालबगीचा वार्ड का है. बताया गया 27 वर्षीय योगेश जांगड़े अपने कुछ दोस्तों के साथ रात में बैठा हुआ था, इसी दौरान नियमित गश्त पर निकली पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी वहां पहुंची. पेट्रोलिंग वाहन को देखते ही वहां मौजूद युवक अचानक भागने लगा. बताया जा रहा है कि भागते समय योगेश जांगड़े की सांस फूलने लगी और उसकी हालत बिगड़ गई. युवक के दोस्तों ने इसकी सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में उपचार शुरू किया गया लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत और गंभीर हो गई डॉक्टरों ने जांच के बाद योगेश जांगड़े को मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है. डॉक्टरों के अनुसार, युवक की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है. हालांकि, घटना के कई पहलुओं की जांच की जा रही है. वहीं यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर पुलिस पेट्रोलिंग वाहन को देखकर युवक और उसके साथी अचानक क्यों भागने लगे. फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी.

राम मंदिर दान चोरी: केजरीवाल-प्रियंका से मांगे जाएं सबूत:वीएचपी

अयोध्या,5 जुलाई। राम मंदिर में कथित दान घोटाले को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच अब विश्व हिंदू परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और सीनियर एडवोकेट आलोक कुमार ने अयोध्या के डीएसपी आशुतोष तिवारी को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी है। इस चिट्ठी में उन्होंने विपक्ष के कई बड़े नेताओं के बयानों पर गहरी आपत्ति जताते हुए पुलिस से उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेने की मांग की है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि जो विपक्षी नेता राम मंदिर दान चोरी को लेकर आरोप लगा रहे हैं, उनसे इसके सबूत मांगे जाएं। आलोक कुमार की इस चिट्ठी ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। पत्र में जिन प्रमुख नेताओं के बयानों का जिक्र किया गया है, उनमें आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नाम शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने हाल के दिनों में राम मंदिर के चंदे और दान में हेराफेरी को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया बयानों के जरिए ट्रस्ट और सरकार पर तीखे हमले किए थे।

मानसून की सक्रियता से रात से ही चला बारिश का दौर, कई इलाकों में भरा पानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 जुलाई। शहर मानसून बार फिर सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान शहर में अच्छी-खासी वर्षा हुई है। कल रात से ही तेज हवाओं के साथ लगातार बारिश होती रही। आज सुबह भी तेज बारिश का दौर चला। दोपहर में बारिश का दौर थमा जरूर लेकिन बादल लगे रहे इससे उमस भी हुयी। इस वर्षा से जगह-जगह की जलभराव की स्थिति देखी गयी। हालाँकि, आंकड़ों के मुताबिक मौसमी वर्षा सामान्य से 46 प्रतिशत कम बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

शिवसेना के भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने बताया कि तेज बारिश के बाद जोन-4 खुर्सीपार और छावनी सहित कई वार्डों में नालियों और नालों का पानी घरों में घुस गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सड़कें पानी और कीचड़ से लबालब हो गईं। राजू ने कहा कि नगर निगम ने नालियों और नालों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन इसका कोई प्रभाव जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। उनका बताया कि नंदिनी रोड, जोन-3 के संतोषी पारा वार्ड-33 स्थित तेल्हा नाला के नीचे पाइपलाइन होने के कारण तेज बहाव का पानी मेन पाइप से टकराकर वापस फैल गया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र की दर्जनों कंपनियों में भी पानी भर गया। जोन-4 में नंदिनी रोड स्थित करुणा हॉस्पिटल के पास नाले की चौड़ाई कहीं 60 से 70 फीट है, जबकि कई स्थानों पर यह घटकर करीब 20 फीट रह गई है। मशीनों से की जा रही सफाई खानापूर्ति बनकर रह गई है। वार्ड-33 में अतिक्रमण के कारण वर्षों से नाले की चौड़ाई बढ़ाने और दोनों ओर दीवार निर्माण का कार्य चल रहा है, लेकिन काम की धीमी गति के कारण समस्या बनी हुई है। इसके चलते छावनी क्षेत्र की कई सड़कें जलमग्न हो गईं। नालियों की स्थिति में सुधार न होने से गंदे पानी से भरे गड्ढों में राहगीरों के गिरकर घायल होने का खतरा बना हुआ है।

एक नजर

गांजा बेचने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 5 जुलाई (तछसं.)। भिलाई सब्जी मंडी और अस्पताल के पीछे गौठान गेट के सामने गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे दो गांजा तस्करों को कुम्हारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख 4 हजार पांच सौ रुपए का गांजा और मोबाइल जब्त किया है कुम्हारी प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि थाना कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत सब्जी मंडी कुम्हारी के पास एक व्यक्ति ने अवैध रूप से गांजा रखने सूचना मिली सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की आरोपी को अवैध गांजा रखकर ग्राहक का इंतजार करते पाया पूछताछ करने पर आरोपी ने अवैध गांजा रखना स्वीकार किया गया आरोपी के कब्जे से 2.520 गांजा कीमत 126000 रु एक नग वीवो मोबाइल 2400 रु नगदी रकम जब्त किया है कुम्हारी थाने पुलिस आरोपी के विरुद्ध नारकोटिक अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरे मामले में अस्पताल के पीछे गौठान गेट के सामने कुम्हारी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखने सूचना मिली। मौके पर आरोपिया को अवैध गांजा रखकर ग्राहक का इंतजार करते पाया गया। पूछताछ करने पर आरोपी अवैध गांजा रखना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से 1.570 गांजा कीमत 78500 रु जब्त किया है।

म्यूल खाता,1 और गिरफ्तार

भिलाई, 5 जुलाई (तछसं.)। भिलाई आईपीएल सट्टा एवं म्युल अकाउंट संचालन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह के एक और आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड एवं संबंधित दस्तावेज अवैध रूप से सट्टा संचालन के लिए उपलब्ध कराए जाने का खुलासा हुआ है। प्रकरण में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तार कर सुपेला पुलिस ने कार्रवाई कर चुकी है सुपेला टीआई अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि 24 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जगदलपुर निवासी कुछ व्यक्ति सुपेला क्षेत्र में आईपीएल सट्टा एवं म्युल अकाउंट के उपयोग के लिए बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड एवं अन्य दस्तावेज बेचने के उद्देश्य से आए हैं। सूचना पर थाना सुपेला पुलिस ने पांच रास्ता हनुमान मंदिर ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वयं एवं अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों तथा व्यवसायिक खातों को सुपेला निवासी विशाल गुप्ता एवं अन्य व्यक्तियों को आईपीएल सट्टा एवं म्युल अकाउंट संचालन के लिए बेचने की जानकारी दी। प्रकरण में धारा 317 (2), 318 (4), 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर पूर्व में चार आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया था। विवेचना के दौरान फरार आरोपी दुलेश्वर कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है ।

प्रधान अध्यापक के जन्मदिवस पर प्राथमिक शाला मुंडाटिकरा में नेवता भोज का आयोजन

कोंडागांव, 5 जुलाई। विकासखंड कोंडागांव अंतर्गत प्राथमिक शाला मुंडाटिकरा (मुलमुला) में प्रधान अध्यापक किशनलाल मरकाम के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार को विद्यालय परिसर में नेवता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई तथा मिठाइयों का वितरण किया गया। बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ सामूहिक भोज का आनंद लिया।

जिला पंचायत सीईओ ने ठोस अपशिष्ट नियम 2026 की जमीनी हकीकत गांव जाकर देखी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,5 जुलाई। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा लक्षित स्वच्छ कबीरधाम के अभियान को समय पर पूरा करने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक अग्रवाल ने जनपद पंचायत स.लोहारा के विभिन्न ग्रामों का सघन दौरा किया। इस दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत परखी और ग्राम पंचायतों में स्थापित गोबर गैस प्लांटों का निरीक्षण कर %वेस्ट टू एनर्जी% मॉडल की विस्तार से समीक्षा की। अपने निरीक्षण के दौरान उपस्थित मैदानी कर्मचारियों को सीईओ ने कहा कि गोबर गैस प्लांट प्राकृतिक ऊर्जा के क्षेत्र में गेमचेंजर होगा, जिससे गांव को सस्ते ऊर्जा की उपलब्धता होगी। ग्राम पंचायत बिरेंद्रनगर, कुटकीपारा में चल रहे कचरा कलेक्शन, प्लास्टिक यूनिट केंद्र फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सामुदायिक गोबर गैस प्लांटों का निरीक्षण किया। गीले तथा सूखे कचरा कलेक्शन का कार्य ग्रामों में अच्छे से होना पाया गया।ग्रामीणों ने बताया कि घर-घर जाकर स्वच्छता दीदियों द्वारा कचरा कलेक्शन किया जा रहा है। इसी तरह गोबर गैस प्लांट को सुचारू रूप से चलाने हेतु प्लांट में लगातार गोबर की व्यवस्था करनें की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत, स्कूल प्रबंधन एवं हितग्राही को दिया गया, जिससे गैस उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है। वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग कर गोबर गैस से मिड-डे-मील और आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में खाना बनाने की बात कही गई तथा इसके लिए जरूरी पाइप लाइन का विस्तार करने के निर्देश ग्राम पंचायत को दिए गए। प्लांट में बची स्लरी का उपयोग जैविक खाद के रूप में करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पाया कि जनपद लोहारा के ग्राम पंचायतों में स्वच्छता जागरूकता हेतु नारा लेखन और वॉल पेंटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। दीवारों पर ÷मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी÷ और चार डिब्बों के चित्र ग्रामीणों को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, विभागीय अमला की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने चार डिब्बा व्यवस्था को भी देखा।स्वच्छता दीदियों द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष जताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि 15 जुलाई 2026 से शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा खुले में कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध ग्राम पंचायत को समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक घरों से यूजर चार्ज देने हेतु ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 10 जुलाई तक सभी 60 पंचायतों में स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर कचरा पृथक्करण का सत्यापन का कार्य पूरा करें और15 जुलाई से कचरा बाहर फेंकने एवं जलाने वालों के लिए ग्राम पंचायत (ग्राम जल एवं स्वच्छ्ता समिति) के माध्यम से जुर्माना वसूली की कार्यवाही हो। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्राम पंचायत सचिवों, सरपंचों, ग्रामवासियों और स्वच्छता दीदियों से अपील की गई की स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाएं और अपने ग्रामों को स्वच्छ रखें।

राहत की बारिश

अंचल में शनिवार रात्रि से झमाझम बारिश से किसानों ने राहत की सांस ली

उतई,5 जुलाई। बोनी पद्धति से धान की बोनी हो चुकी है जो किसान नर्सरी लगाए थे वी अब रोपाई के लिए तैयार हो गए है सोमवार से धान की रोपाई चालू हो जाएगी । खोपली के किसान पप्पू पटेल ने बताया कि वो धान की नर्सरी 10 जून को दे दिए थे जो अब रोपाई कर रहे है ।और मानसून की देरी से जो किसान पिछड़ रहे थे वो भी अब राहत महसूस कर रहे है। अंचल में खेत खार जलमग्न हो गए है रविवार की सुबह की बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है।

सेवा सेतु पोर्टल पर राशन कार्ड से संबंधित कोई आवेदन लंबित नहीं

महासमुंद, 5 जुलाई। जिले में नए राशन कार्डों की प्रक्रिया के संबंध में अपर कलेक्टर ने बताया है कि सेवा सेतु पोर्टल पर राशन कार्ड से संबंधित सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध हैं तथा वर्तमान में महासमुंद जिले में इस पोर्टल पर कोई भी आवेदन लंबित नहीं है। उन्होंने बताया कि अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित (एकल), निःशक्तजन एवं सामान्य राशन कार्डों में सदस्य जोड़ने तथा सदस्य विलोपन के लिए सेवा सेतु पोर्टल पर नवीन सेवा का विकल्प उपलब्ध कराया गया है।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी विदाई

भिलाई, 5 जुलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से जून माह में कुल 86 कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लिया, जिसमें खदान बिरादरी के 05 व संयंत्र के 81 गैर-कार्यपालक शामिल हैं।

वेल्थ मैनेजमेंट जागरूकता सत्र आयोजित

भिलाई, 5 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा वेल्थ मैनेजमेंट जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक संजय द्विवेदी थे। संचालन सहायक प्रबंधक मिहिर मनोहर ने किया। अंत में संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से निबटने आयुक्त ने एजेंसी को दिए कड़े निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 जुलाई। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उद्यान, क्रिकेट कोर्ट, पेवर ब्लॉक, सफाई व्यवस्था, यात्री प्रतीक्षालय और टेनिस कोर्ट का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत एवं संधारण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सेक्टर-10 स्थित उद्यान की साफ-सफाई और पेवर ब्लॉकों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने पार्क की सुंदरता और सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। वहीं समीप स्थित क्रिकेट कोर्ट का निरीक्षण कर जाली और नेट की मरम्मत जल्द कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। पेवर ब्लॉकों का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने पाया कि लंबे समय से उपयोग के कारण कई स्थानों पर पेवर ब्लॉक उखड़ गए हैं, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने संबंधित एजेंसी के माध्यम से इनका तत्काल संधारण कराने के निर्देश दिए। जोनल मार्केट के पास स्थित कचरा डंपिंग प्वाइंट का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कचरा उठाव में लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कचरा हटाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा सड़क क्रमांक-11 स्थित दुर्गा पूजा मैदान के पास बने यात्री प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर वहां लगी कुर्सियों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। टेनिस कोर्ट का भी निरीक्षण किया गया, जहां आवश्यक संधारण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय गौर, स्थानीय पार्षद अभय सोनी, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 जुलाई। लायंस क्लब भिलाई ग्रेट द्वारा डॉक्टर्स एवं सीए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लायन डॉ. एस.के. तमेर थे। विशेष अतिथियों में सीए सुधीर सुराना, रीजन चेयरमैन लायन अमित खंडेलवाल, जोन चेयरमैन लायन बबीता सोनी तथा चार्टर प्रेसिडेंट लायन अनिता अग्रवाल शामिल रहीं। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता तथा सर मेल्विन जोन्स के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। क्लब अध्यक्ष मंजू शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में 10 चिकित्सकों एवं 8 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को पौधे और स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सम्मानित अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज सेवा और अपने-अपने पेशे की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। चार्टर प्रेसिडेंट लायन अनिता अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सक स्वस्थ शरीर के प्रहरी होते हैं, जबकि चार्टर्ड अकाउंटेंट मजबूत आर्थिक व्यवस्था के संरक्षक हैं।

मदरसा बोर्ड भंग कर आधुनिक शिक्षा व्यवस्था लागू करे सरकार: शकूर पंवार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 जुलाई। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अब्दुल शकूर पंवार ने छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड को तत्काल भंग करने की मांग करते हुए कहा है कि वर्तमान समय में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आधुनिक शिक्षा अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि केवल धार्मिक शिक्षा के आधार पर विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी युग की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं किया जा सकता। रविवार को जारी बयान में पंवार ने छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज द्वारा मदरसा बोर्ड को समाप्त किए जाने की पहल का समर्थन करते हुए कहा कि मदरसों में दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा को भी समान महत्व मिलना चाहिए। उनका कहना है कि विज्ञान, गणित, कंप्यूटर, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के अभाव में मुस्लिम समाज के अनेक बच्चे उच्च शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पीछे रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ सलीम राज का कहना सही है कि आज पूरी दुनिया तकनीक और नवाचार के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में बच्चों को आधुनिक शिक्षा से दूर रखना उनके भविष्य के साथ न्याय नहीं है। पंवार ने राज्य सरकार से मांग की कि बच्चों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड को अविलंब भंग किया जाए तथा ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था लागू की जाए, जिसमें धार्मिक शिक्षा के साथ डॉक्टर, इंजिनियर के साथ-साथ विज्ञान, तकनीकी, कंप्यूटर, अंग्रेजी और कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, सक्षम और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाना होना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार से मुस्लिम समाज के बच्चों को बेहतर अवसर मिलेंगे और वे भी देश के विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

लोगों को डराने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 8 जुलाई। भिलाई चंद्रा-मौर्या चौक के पास धारदार हथियार लहराकर लोगों को डराने वाले आरोपी को सुपेला थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी के कब्जे से एक नग धारदार लोहे का चापड़ जब्त किया है सुपेला टीआई अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि चंद्रा-मौर्या चौक के पास एक व्यक्ति धारदार लोहे का चापड़ लहराते हुए लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर थाना सुपेला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राम सुखम पाल (57 साल) निवासी कॉन्ट्रेक्टर कॉलोनी सुपेला बताया। आरोपी के कब्जे से एक नग धारदार लोहे का चापड़ जब्त किया है ।

धोखाधड़ी की जांच शुरू

भिलाई, 5 जुलाई। भिलाई अमलेश्वर थाना क्षेत्र में वर्ष 2009 में बेची जा चुकी जमीन को शासकीय अभिलेखों में हुई कथित टंकण त्रुटि का लाभ उठाकर दोबारा विक्रय करने का मामला सामने आया है रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि सेक्टर-4 निवासी दिलीप खटवानी ने प्रस्तुत आवेदन की जांच में प्रथम दृष्टया अपराध पाए जाने पर मामला दर्ज किया है ।

पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर बीएसपी ने व्यक्त किया गहरा शोक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 जुलाई। विश्वविख्यात पंडवानी गायिका, पद्म विभूषण से सम्मानित लोककला की अप्रतिम साधिका तथा भिलाई इस्पात संयंत्र की पूर्व कर्मी तीजन बाई के निधन पर भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संयंत्र प्रबंधन ने उनके निधन को न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक एवं लोककलात्मक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। भिलाई के समीप स्थित गनियारी ग्राम में जन्मी तीजन बाई ने अत्यंत साधारण परिवेश से निकलकर अपनी विलक्षण प्रतिभा, कठिन साधना और संघर्ष के बल पर पंडवानी जैसी समृद्ध लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने महाभारत की कथाओं को अपने ओजस्वी गायन, प्रभावशाली अभिनय और विशिष्ट प्रस्तुति शैली के माध्यम से जीवंत रूप प्रदान किया। उनकी कला ने भारतीय लोक संस्कृति को विश्व के अनेक देशों तक पहुंचाते हुए भारत की सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। बीएसपी प्रबंधन ने कहा कि तीजन बाई ने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए पंडवानी की पारंपरिक सीमाओं को तोड़ा और अपनी विशिष्ट कापालिक शैली के माध्यम से इस लोकविधा को नई ऊर्जा तथा व्यापक स्वीकार्यता दिलाई। वे केवल एक लोकगायिका नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत की सशक्त संवाहक और लोक कलाओं की वैश्विक पहचान थीं। वर्ष 1986 में तीजन बाई भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ीं। संयंत्र ने उनकी असाधारण प्रतिभा को सदैव सम्मान और प्रोत्साहन दिया। वर्ष 2003 में पद्म भूषण से सम्मानित होने के बाद बीएसपी ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित करते हुए पदोन्नति और अन्य प्रोत्साहन भी प्रदान किए। वे संयंत्र की उन गौरवशाली कर्मियों में शामिल रहीं, जिन्होंने अपनी कला और उपलब्धियों से भिलाई इस्पात संयंत्र, छत्तीसगढ़ और पूरे भारत का नाम विश्व भर में गौरवान्वित किया। भारत सरकार ने लोक कला के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें क्रमशः पद्मश्री (1987), पद्म भूषण (2003) और पद्म विभूषण (2019) से सम्मानित किया। वे छत्तीसगढ़ की उन विरल विभूतियों में थीं, जिन्होंने भारतीय लोककला को वैश्विक सांस्कृतिक पहचान दिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मियों ने तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन कला-साधना, संघर्ष, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रेरणास्रोत रहेगा।

अग्रवाल महिला मंडल ने नेवरा विद्यालय में किया पौधारोपण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 5 जुलाई। स्थानीय बद्रीनारायण बगड़िया शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा में पर्यावरण संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, हरित विद्यालय -स्वस्थ भविष्य की भावना को साकार करते हुए विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल महिला मंडल की तीलदा नेवरा इकाई की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, नेहा अग्रवाल अनीता अग्रवाल, सीमा गोयल मोनिका अग्रवाल, नगर पालिका तिल्दा नेवरा की वार्ड पार्षद रानी सौरभ जैन शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी प्रभारी नारायण साहू, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी नरेंद्र रातरे, स्काउट गाइड प्रभारी सुरेश कुमार टंडन, तूकेंद्र प्रसाद वर्मा, नीतू वर्मा खिलेश्वरी यदु इको क्लब प्रभारी कुसुम नाग, सविता वर्मा,

सभी शिक्षक शिक्षिकाओं कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के छायादार आम, नीम, मीठा नीम, फलदार अमरुद, जामुन एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। विद्यार्थियों को पौधों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। पार्षद रानी सौरभ जैन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए।

शाला प्रबंधन समिति के नरेंद्र शर्मा जी ने विद्यार्थियों से पौधों को सुरक्षित रखना एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला मंडल की सदस्य नीतू अग्रवाल मधु गोयल, संगीता अग्रवाल (ऐस ऐस),संजुक्ता सिंघानिया, पिंकी अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल ने सभी उपस्थित जनों से लगाए गए पौधों की देखभाल करने तथा विद्यालय परिवार को लगे पौधों में नियमित पानी देने का आग्रह किया। इस आयोजन के माध्यम से अखिल भारतीय अग्रवाल महिला मंडल नेवरा तिल्दा और विद्यालय परिवार ने पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश समाज तक पहुंचाया। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल और उसके सभी सदस्यों ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढियां को स्वच्छ वायु, शुद्ध पर्यावरण, जल संरक्षण और सुरक्षित भविष्य का एक अमूल्य उदाहरण होगा।

विद्यालय परिसर हराभारत - स्वस्थ भारत, वृक्ष है तो भविष्य है, पेड़ लगाए भविष्य सवारे, पेड़ लगाओ -धरती बचाओ के नारों से गुंजायमान हो उठा। संस्था के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार चंदानी ने समस्त अतिथियों और अग्रवाल महिला मंडल की नेवरा ईकाई का हृदय से आभार व्यक्त किया।

समाचार संक्षेप

सीएससी की विशेष कार्यशाला में श्रमिकों के ई-केवाईसी प्रशिक्षण एवं वीएलई की समस्याओं का हुआ समाधान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। जिला पंचायत बलौदाबाजार के कॉन्फ्रेंस हॉल में कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा एक दिवसीय महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सह-समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से श्रम विभाग के आगामी प्रोजेक्ट, श्रमिकों के ई-केवाईसी, डेटा सुधार प्रक्रिया की बारीकियों पर विस्तृत ट्रेनिंग दी गई। इसके साथ ही, जिलेभर से आए ग्रामीण सीएससी संचालकों की कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

कार्यशाला में श्रम विभाग के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर विशेष रणनीति तैयार की गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आने वाले समय में श्रमिकों के डेटा को त्रुटिहीन बनाना और उनका शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसके लिए वीएलई को ट्रेनिंग दी गई कि कैसे वे पोर्टल पर जाकर श्रमिकों की जानकारी को अपडेट और सुधार सकते हैं ताकि पात्र श्रमिकों को शासन की योजनाओं का सीधा और त्वरित लाभ मिल सके।

एक नजर

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 5 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार हेतु कृषको से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। पुरस्कार हेतु जिले के कृषक संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कार्यालय में निर्धारित तिथि तक आवेदन निःशुल्क प्राप्त कर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र को उप संचालक कृषि एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते है। पुरस्कार हेतु कृषको को आवेदन पत्र के साथ सफलता की कहानी, फोटो एवं वीडियो के साथ संलग्न करना होगा। अंतिम तिथि के चाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। अधिक जानकारी के लिये कृषि विभाग के वेबसाईट www.agriportal.cg.nic.in का अवलोकन कर सकते है।पुरस्कार अंतर्गत चयनित किसानों को राशि 2 लाख एवं प्रशस्ति पत्र राज्य स्थापना दिवस 1 नवम्बर 2026 के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

केजव्हील एवं रिंग लगे ट्रैक्टरों का सड़क पर उपयोग प्रतिबंधित

बलौदाबाजार, 5 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऐसे सभी ट्रेक्टर जिनके पहियों में लोहे का केज, रिंग लगा हो उनका संचालन सार्वजनिक सड़को, सीमेंट, डामर सड़को अथवा राष्ट्रीय, राज्य मार्गों पर किया जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है।संचालन करते पाये जाने चालानी एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी ने जानकारी दी है कि लोहे का केज, रिंग लगे ट्रेक्टरों के विरूद्ध विशेष प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान के संबंध में निर्देश प्राप्त हुए है। जिसमें लोगों को जागरूक करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफचालानी एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। लोहे के केजव्हील ट्रेक्टरों का उपयोग मुख्य रूप से खेतों में जुताई और कृषि कार्यों के लिए किया जाता है। इन ट्रेक्टरों में लगे नुकीले लोहे के पहिए खेतों में बेहतर पकड़ बनाने के लिए उपयोगी होते है लेकिन इन्हे बिना बदलाव किए सीसी रोड, डामर सड़क और राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाने से सड़क की सतह को नुकसान पहुंचता है जिससें दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 5 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बलौदाबाजार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्यम स्थापित करने के लिये इच्छुक व्यक्तियों को लाभान्वित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। योजना के तहत नवीन या विद्यमान माईक्रो फूड प्रोसेसिंग उद्यमों यथा मसाला उद्योग, मुरमरा (मुर्रा), पोहा, मिनी राईस मिल, राईस मिल, आटा चक्की, पशु आहार उद्योग, दलिया, बेकरी उत्पाद, आचार, पापड़, नमकीन, भुजिया, चिप्स, मिष्ठान निर्माण, जैम जैली, जूस एवं पल्प तथा अन्य फल एवं सब्जी प्रसंस्करण उद्योग इत्यादि को ऋण सहायता राष्ट्रीयकृत बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। योजना में प्रोजेक्ट लागत के 35 प्रतिशत पर क्रेडिट-लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी का प्रावधान है।अधिकतम सब्सिडी 10 लाख रू. तक प्रति उद्यम है।आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा इसके लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं है।आवेदन करने के लिए कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, संयुक्त जिला कार्यालय भवन, कक्ष क्रमांक 63, 71 में संपर्क कर सकते है। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जितेन्द्र धिरही, प्रबंधक मोबाईल नंबर-90988-98088, प्रमोद कुमार टण्डन, प्रबंधक मोबाईल नंबर-98935-72140 एवं श्रीनारायण सिंह ठाकुर, प्रबंधक मोबाईल नंबर-98271-92183 पर भी संपर्क कर सकते है।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा व पुनर्वास पर गंभीरता से काम करने की जरूरतः बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर सांसद बोले दिव्यांगों को सहानुभूति नहीं, सहयोग और प्रोत्साहन चाहिए

■ छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद ने किया दिव्यांग बच्चों के विकास व पुनर्वास पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

रायपुर, 5 जुलाई। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा दिव्यांग बच्चों के विकास, शिक्षा, अधिकारों और पुनर्वास से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज शनिवार 4 जुलाई 2026 को विमतारा भवन रायपुर में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष एवं रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इसके अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता, अभिभावक तथा दिव्यांग बच्चों के हित में कार्य करने वाले संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम शामिल हुए।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से यह संगोष्ठी आयोजित की गई है, ताकि इस बात पर चर्चा हो सके कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा कैसी हो, उन्हें किस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए और उनकी विशेष क्षमताओं को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ÷विकलांग÷ शब्द के स्थान पर ÷दिव्यांग÷ शब्द दिया है। इसका अर्थ यही है कि जिन बच्चों के शरीर में किसी प्रकार की कमी है, उनमें ईश्वर ने कोई न कोई विशेष क्षमता भी दी है। आवश्यकता इस बात की है कि उनकी उस विशेष योग्यता को पहचानकर उसे प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें हमारी सहानुभूति से अधिक हमारे सहयोग और प्रोत्साहन की जरूरत है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि बाल कल्याण परिषद इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सेंट्रल इंडिया में यह ऐसा महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के दिव्यांग बच्चों को बेहद कम खर्च में उपचार, प्रशिक्षण और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिस उपचार के लिए निजी अस्पतालों में प्रतिदिन हजारों रुपये खर्च होते हैं, वही सुविधाएं यहां बहुत कम शुल्क में उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस केंद्र को समाज और शासन दोनों का अधिक से अधिक सहयोग मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज भी छत्तीसगढ़ में दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल शिक्षा और विशेष रूप से उच्च शिक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। यदि हम इन बच्चों को उचित शिक्षा और अवसर देंगे तो केवल उनके जीवन में ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार के जीवन में खुशहाली आएगी।

सांसद अग्रवाल ने नवजात एवं छोटे बच्चों की समय पर स्क्रीनिंग पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अक्सर माता-पिता को तीन-चार वर्ष बाद पता चलता है कि बच्चा सुन नहीं पा रहा है, बोल नहीं पा रहा है या किसी अन्य प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित है। यदि दो वर्ष की आयु से पहले ही आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से बच्चों की नियमित स्क्रीनिंग हो जाए तो समय रहते उपचार संभव है और कई प्रकार की दिव्यांगताओं के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो बच्चा सुन नहीं पाता, उसे सुनने योग्य बनाया जा सकता है, जो बोल नहीं पाता, उसे बोलने योग्य बनाया जा सकता है और जो चल नहीं पाता, उसे चलने योग्य बनाने का प्रयास समय रहते किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में आधुनिक स्क्रीनिंग उपकरण, प्रशिक्षित मानव संसाधन, प्रभावी रेफरल प्रणाली तथा पुनर्वास सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि इस दिशा में गंभीरता से कार्य किया जाए तो यह समाज और देश की बहुत बड़ी सेवा होगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को लेकर पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी आवश्यक है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत मिलने वाली राशि का एक हिस्सा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर अनिवार्य रूप से खर्च होना चाहिए तथा प्रत्येक विद्यालय में उनके लिए समुचित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

तिल्दा ब्लॉक में प्रधानमंत्री आवास योजना से पात्र हितग्राही वंचित, ग्रामीणों में असंतोष

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 5 जुलाई। तिल्दा विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर ग्रामीणों में असंतोष देखा जा रहा है। अनेक पात्र परिवारों का कहना है कि उन्होंने कई बार आवेदन जमा किए, लेकिन आज तक उनके आवेदन स्वीकृत नहीं हुए। ग्रामीणों का आरोप है कि कई पंचायतों में प्रारंभिक स्तर पर ही पात्र लोगों के नाम सूची से हटा दिए जाते हैं, जिसके कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पाता। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार आज भी पक्के मकान के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। हितग्राहियों का कहना है कि बार-बार आवेदन देने और संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सभी लंबित आवेदनों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि पंचायतवार पात्रता सूची की समीक्षा कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे।

सड़क हादसे में घायल दो युवकों को डायल 112 के जवानों ने पहुंचाया अस्पताल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। 4 जुलाई को थाना कसडोल पुलिस और डायल 112 की टीम ने आपसी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो युवकों की जान बचाई। दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। डायल 112 कंट्रोल रूम को मिली थी सूचना- दो अलग-अलग कॉलर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि हड़हा चौक कसडोल के पास एक भीषण वाहन दुर्घटना हुई है। दुर्घटना में दो युवक मान चंद साहू (उम्र 22 वर्ष) और मोनू साहू (उम्र 19 वर्ष) दोनों निवासी ग्राम लवन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और दर्द से तड़प रहे हैं। मौके पर पहुंचा पुलिस अमला- सूचना मिलते ही बिना एक पल गंवाए पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर थाना कसडोल की पेट्रोलिंग गाड़ी भी तुरंत पहुंच गई। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस पेट्रोलिंग टीम और डायल 112 की टीम ने बेहतरीन आपसी सामंजस्य दिखाया।

व्यापार, सामाजिक समरसता एवं संगठनात्मक सहयोग को और अधिक सशक्त बनाने पर हुई सार्थक चर्चा

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के अध्यक्षों की सौजन्य भेंट

रायपुर, 5 जुलाई। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी ने अपने सहयोगियों किशोर आहूजा, सुभाष बजाज एवं अन्य वरिष्ठ साथियों के साथ छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल के निवास पहुँचकर उनके स्वास्थ्य की कुशलक्षेम जानी तथा आत्मीय सौजन्य भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान अग्रवाल समाज एवं सिंधी समाज के बीच सामाजिक एकता, आपसी सहयोग, व्यापारिक हितों के संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व, युवाओं की सहभागिता तथा छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स में अग्रवाल समाज की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श हुआ। विशेष रूप से, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी को हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में आयोजित विदेशी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कनाडा सहित विभिन्न देशों की आधिकारिक यात्रा में सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न बैठकों में छत्तीसगढ़ के व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों तथा व्यापारिक वर्ग की अपेक्षाओं को प्रभावी ढंग से प्रमुखता के साथ रखा। उनकी सक्रिय भूमिका, व्यापारिक हितों के प्रति प्रतिबद्धता तथा छत्तीसगढ़ के व्यवसायिक समुदाय का सशक्त प्रतिनिधित्व करने के लिए, डॉ. अशोक अग्रवाल ने सभी अतिथियों का भगवान अग्रसेन महाराज के पावन अंगवस्त्र (दुपट्टा) ओढ़ाकर सस्सम्मान अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समाजों के मध्य आत्मीय संवाद, पारस्परिक विश्वास एवं सहयोग की भावना ही सामाजिक समरसता और संगठनात्मक मजबूती का आधार है। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के बीच निरंतर संवाद एवं समन्वय से समाज और व्यापार जगत दोनों को नई ऊर्जा एवं सकारात्मक दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने समाजहित, व्यापारी हित एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर भविष्य में भी मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जिलाबदर का आरोपी गांव में शराब बेचते गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 5 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के कुशल निर्देशन में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध 'क्लीन स्वीप' अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने एक ऐसे शातिर अपराधी को दबोचा है, जिसने न सिर्फकानून व्यवस्था को चुनौती दी बल्कि जिला बदर (निष्कासन) के आदेश का उल्लंघन कर गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री की दुकान सजा रखी थी। मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी और शराब के साथ गिरफ्तारी। 4 जुलाई को थाना सिटी कोतवाली पुलिस की टीम को पुख्ता मुखबिर सूचना मिली कि ग्राम लटुवा में एक व्यक्ति भारी मात्रा में शराब लेकर अवैध रूप से बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए मौके पर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी की और संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम उदल प्रताप यादव बताया। जब उसके पास मौजूद सफेद-पीले रंग के प्लास्टिक थैले की तलाशी ली गई, तो उसके अंदर से 35 पाव देशी मसाला शराब (प्रत्येक 180 एम.एल., कुल 6.300 बल्क लीटर, कुल कीमती 4200/-) बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ अपराध क्र. 558/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत पहली बड़ी कार्रवाई की गई।

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण

Airports Economic Regulatory Authority of India (AERA)

भारत सरकार/Government of India

3rd Floor, Udaan Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi-110003

Ph.: 011-24695044

PUBLIC NOTICE

STAKEHOLDERS' CONSULTATION MEETING ON DETERMINATION OF TARIFF FOR THE AERONAUTICAL SERVICES FOR RAJIV GANDHI INTERNATIONAL AIRPORT, HYDERABAD (HYD) FOR THE FOURTH CONTROL PERIOD (01.04.2026 - 31.03.2031)

Airports Economic Regulatory Authority of India (AERA) has issued Consultation Paper No. 02/2026-27 on 19.06.2026 (which is available on AERA website at URL www.aera.gov.in) w.r.t the Tariff Determination for the Aeronautical Services for Rajiv Gandhi International Airport, Hyderabad (HYD) for the Fourth Control Period (01.04.2026 - 31.03.2031).

In accordance with the provision of Section 13(4) of the AERA Act, 2008, the various tariff proposals of the Authority contained in the Consultation Paper, are put forth for Stakeholders' Consultation. A Stakeholders Consultation Meeting in hybrid mode (Physical/Online) in this regard is scheduled on **6th July, 2026 (Monday) at 3:30 PM** at:

Stakeholders Room, 3rd Floor, Udaan Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi - 110003

All stakeholders like Passengers/Passengers' Associations, General Public, Airport Operators, Airlines, Industry Associations/Bodies, Independent Service providers for Cargo, Ground Handing Fuel Farm etc., are requested to join the said meeting and give their valuable suggestions/comments/views on the aforesaid Consultation Paper on tariff proposal of Rajiv Gandhi International Airport, Hyderabad (HYD).

Participants joining in person may send their confirmation to AERA with Name, email address, mobile number, vehicle number by email (to director-ps@aera.gov.in and rajan.guptal@aera.gov.in). Online link will be shared on AERA website (https://aera.gov.in) before the Stakeholders meeting under Tab "News and Announcements".

Sd/-

Secretary AERA

cbc 03112/12/0010/2627

गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की ली जानकारी, सुपोषित बचपन अभियान के तहत बच्चों को गोद लेने की अपील की

आंगनबाड़ी केंद्र खम्हारडीह पहुंचे कलेक्टर कुलदीप शर्मा, बच्चों को खिलाए सुपोषण लड्डू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 5 जुलाई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने रविवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र खम्हारडीह का निरीक्षण कर वहां संचालित पोषण एवं बाल विकास गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीयता से संवाद किया और उन्हें सुपोषण लड्डू खिलाकर कुपोषण से लड़ने उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने बताया कि आंगनबाड़ी के कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाने के लिये जिले में सुपोषित बचपन अभियान के तहत बच्चों को सुपोषण लड्डू खिलाया जा रहा हैं। सुपोषण लड्डू 10 गुणकारी पोषक तत्वों से तैयार किया जाता है। प्रत्येक लड्डू में लगभग 10 ग्राम कार्बोहाइड्रेट एवं 5 ग्राम प्रोटीन होता है। उन्होंने बताया कि गंभीर कुपोषित एवं कुपोषित बच्चों को प्रतिदिन एक सुपोषण लड्डू उपलब्ध कराया जाता है, जिससे उन्हें आवश्यक पोषण मिल सके और कुपोषण दूर करने में मदद मिले। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से केंद्र में दर्ज गंभीर कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य, नियमित वजन मापन, पूरक पोषण आहार वितरण तथा स्वास्थ्य परीक्षण की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बच्चों ने जताई क्रिकेटर बनने की इच्छा, कलेक्टर ने तत्काल बैट-बॉल दिलाकर बच्चों का बढ़ाया उत्साह

बलौदाबाजार, 4 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने रविवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत प्राथमिक शाला खम्हारडीह का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों एवं भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान बच्चों ने डॉक्टर, शिक्षक, पुलिस अधिकारी और सैनिक बनने की इच्छा व्यक्त की। वहीं विकास कुमार पैकरा और पीयूष पैकरा ने बड़े होकर क्रिकेटर बनने का सपना साझा किया। बच्चों के खेल के प्रति उत्साह को देखते हुए कलेक्टर शर्मा ने तत्काल उन्हें बैट एवं बॉल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कुछ ही देर में बच्चों को बैट-बॉल प्रदान किए गए। खेल सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने कलेक्टर को थैंक यू सर कहा। इसी दौरान कक्षा पांचवीं की छात्रा देविका रात्रे ने कहा कि वह भविष्य में कलेक्टर बनना चाहती है। इस पर कलेक्टर शर्मा ने उसका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यदि वह मन लगाकर पढ़ाई करेगी और निरंतर मेहनत करेगी तो निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगी।

स्कूलों में जारी रहेगी सरस्वती वंदना,मंत्रोच्चार भी होगा

किसी भी प्रदेश में कई राजनीतिक दल होते हैं,सबकी अपनी अपनी विचारधारा होती है।अलग-अलग धर्म,संप्रदाय,जाति,भाषा के नेता होते हैं, उनकी अपनी मान्यता होती है,अपनी सोच होती है।सरकार कुछ भी करती है तो उसे लेकर दो तरह की ही प्रतिक्रिया सामने आती है।एक प्रतिक्रिया होती है,विरोध की यानी सरकार अच्छा करे तो भी विरोध करना है और बुरा करना है तो भी विरोध करना है। यानी ऐसे लोगों की मानसिकता होती है कि सरकार कुछ भी अच्छा नहीं कर सकती है, वह गलत करती है और उसके हर काम को गलत कहना हमारा कर्तव्य है। एक पक्ष होता है जो सरकार के काम को अच्छा कहता है, उसकी तारीफ करता है और बताने की कोशिश करता है कि सरकार के इस काम से राज्य व राज्य के लोगों को क्या फायदा होगा।राज्य सरकार ने शिक्षा के नए सत्र से स्कूलों में सरस्वती वंदना व कई तरह के मंत्र पढ़ने की शुरुआत की है। इसका मकसद बच्चों को अच्छा संस्कार देना है,उनकी मानसिक एकाग्रता को बढ़ाना है ताकि वह स्कूल में मन लगाकर पढ़ाई करें। भाजपा कुछ करती है तो कांग्रेस का परम धर्म है कि वह उसे गलत साबित करे,सरकार ने नए सत्र में सरस्वती वंदना और मंत्रोच्चार शुरू करने का सबसे पहले कांग्रेस ने विरोध किया कि भाजपा सरकार संघ का एजेंडा स्कूलों में लागू कर रही है।राज्य के सरकारी स्कूलों को सरस्वती शिशु मंदिर बनाया जा रहा है।कांग्रेस को वहम रहा है कि उसकी धर्मनिरपेक्षता की नीति ही सबसे अच्छी नीति है लेकिन जनता ने भाजपा को ज्यादातर चुनावों में जिताकर कांग्रेस की यह गलतफहमी दूर कर दी है कि धर्मनिरपेक्षता की नीति से ही देश व जनता का भला हो सकता है।साथ ही यह भी बता दिया है कि भाजपा सरकार भी जो कुछ करती है उससे भी देश व देश,राज्यों व जनता का भला हुआ है और आगे भी हो सकता है।कांग्रेस स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार का विरोध बयानों तक सीमित रही। यानी विपक्ष का धर्म उसने बयान देकर पूरा कर दिया। कांग्रेस से दो कदम आगे कुछ लोग निकल गए और स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार को असंवैधानिक मानते हुए हाईकोर्ट चले गए।उनको उम्मीद थी कि सरकार के इस कदम को हाईकोर्ट जरूर गलत मानेगा लेकिन उनको हाईकोर्ट के फैसले से निश्चित निराशा हुई होगी क्योंकि इस मामले में होईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है और साफ कर दिया है कि राज्य की साय सरकार स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार की शुरूआत करके कोई गलत काम नहीं किया है।राज्य सरकार ने प्रदेश के स्कूलों में सरस्वती वंदना व मंत्रोच्चार शुरू करने के लिए पत्र जारी किया था।इसे चुनौती देते हुए छग राज्य वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल सलीम रिजवी व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। याचिका में कहा गया था कि स्कूल शिक्षा विभाग का यह आदेश भारत के संविधान का उल्लंघन करता है। मुस्लिम,ईसाई धर्म में भी अच्छी बातें लिखी हैं लेकिन सिर्फ हिंदू धर्म के मंत्रों का उच्चार स्कूलों में कराया जा रहा है। वित्तपोषित संस्थानों में धार्मिक शिक्षा का अनुष्ठान नहीं कराए जा सकते।यह संविधान के अनुच्छेद २८ की भावना के विपरीत है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना था कि स्कूल वैज्ञानिक दृष्टिकोण के केंद्र होने चाहिए,न कि किसी विशेष धर्म परंपरा के प्रचार का माध्यम होने चाहिए।मामले की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पक्ष रखते हुए कोर्ट को बताया गया कि अभी किसी स्कूल में मंत्रोच्चार नहीं कराया जा रहा है, बाद में स्कूलों में सरस्वती वंदना और मंत्रोच्चार कराया भी जाएगा तो वह सभी के लिए बाध्यकारी नहीं होगा। यानी जिसको करना है करे जिसको नहीं करना है नहीं करे।शासन के इस जवाब के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ.आमिर खान से कहा कि स्कूलों में मंत्रोच्चार के लिए किसी का बाध्य नहीं किया जाएगा। अगर इसके बाद भी कहीं मंत्रोच्चार के लिए दबाव डाला जाता है तो आप सबूत के साथ फिर याचिका पेश कर सकते हैं और याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी। सरस्वती वंदना यानी ज्ञान की देवी से प्रार्थना की जाती है कि हमे ऐसा ज्ञान दो कि हम अच्छे रास्ते पर चलें।यह कोई बुरी बात तो नहीं है,सब धर्म में आदमी यही प्रार्थना तो करता है कि मुझे अच्छे बुरे का ज्ञान रहे और मै अच्छे कर्म करूं।स्कूल में गायत्री मंत्र का पाठ करने को कहा जाता है तो माना जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने से मानसिक शांति,एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।इसे पढ़ने से स्मरण शक्ति,बुध्दि और निर्णय करने की क्षमता बेहतर होती है।यानी छात्र किसी भी जाति धर्म का हो उसे यह फायदा होगा तो यह बुरा कैसे हो सकता है।इसी तरह भोजन का मंत्र है, इससे भोजन के प्रति सम्मान का भाव पैदा होता है तो इसमें बुरा क्या है।सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नया प्रयोग कर रही है और बता रही है कि इससे फायदा होगा तो इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि इससे फायदा होता है और कितना होता है।किसी को नुकसान तो होगा नहीं फिर विरोध की क्या जरूरत है।

विदेश

अलविदा ख़ामनेईः मर के जीना सिखा दिया तूने

तनवीर जाफ़री

ईरान के सर्वोच्च नेता शहीद सैयद अली ख़ामनेई के बहुप्रतीक्षित अंतिम संस्कार की रस्म इन दिनों ईरान- इराक़ में अदा की जा रही है। विश्व के अब तक के सबसे बड़े अंतिम संस्कार के इस राजकीय शोक में भारत, पाकिस्तान, रूस, चीन,सऊदी अरब,अफ़ग़ानिस्तान सहित लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। ग़ौरतलब है कि गत 28 फ़रवरी को पवित्र रमज़ान माह में अमेरिका व इस्राईल द्वारा किये गये कायराना हवाई हमले में सैयद अली ख़ामनेई ,उनकी बेटी बुशरा हुसैनी ख़ामेनेई व दामाद मिस्बाह अल-हुदा बाक़री उनकी 14 महीने की पोती ज़हरा मोहम्मदी गुल पायगानी तथा ख़ामनेई के बेटे व वर्तमान सुप्रीम लीडर मुज्तबा ख़ामनेई की पत्नी सभी एक साथ शहीद हो गये थे। ईरान पर अमेरिका व इस्राईल द्वारा थोपे गये युद्ध में उलझे होने के कारण ख़ामनेई के अंतिम संस्कार की रस्म अब तक अदा नहीं की जा सकी थी। अब निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार संस्कार की रस्म की शुरुआत 3 जुलाई से हो चुकी है। 3 जुलाई को ईरान के उप गृह मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अली अकबरपूर जमशीदियान द्वारा विदेशी गणमान्य लोगों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला मस्जिद में 4 व 5 जुलाई का दो दिन का शोक समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद 5 जुलाई को मुख्य जनाज़े की नमाज़ अदा की गयी। 6 जुलाई को तेहरान में जनाज़े की अंतिम यात्रा निर्धारित समयानुसार सुबह 6 बजे शुरू होगी। अगले दिन यानी 7 जुलाई को ईरान के प्रमुख धार्मिक शहर क़ुम में भी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी और यहाँ की प्रसिद्ध पवित्र जमकरान मस्जिद में नमाज़- ए-जनाज़ा अदा की जाएगी। इसी तरह 8 जुलाई को इराक़ के नजफ़ और कर्बला में भी अंतिम यात्रा निकाली जायेगी। निर्धारित योजनानुसार इराक़ में 7 जुलाई की शाम शहीद ख़ामनेई का जनाज़ा नजफ़ पहुंचेगा। 8 जुलाई को सुबह 6 बजे नजफ़ और शाम 4 बजे कर्बला में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद पार्थिव शरीर को वापस ईरान ले जाया जाएगा। याद रहे कि मक्का और मदीना के बाद नजफ़ और कर्बला को शिया इस्लाम के सबसे ऐतिहासिक व पवित्र शहरों के रूप में मान्यता हासिल है। इसतरह अंतिम दिन यानी 9 जुलाई को अली ख़ामेनेई के जनाज़े को मशहद में शिया समुदाय के आठवें इमाम, इमाम रज़ा के मक़बरे में सुपुर्द-ए-ख़ाक़ किया जाएगा। अंतिम विदाई के बाद भी चालीस दिनों तक विभिन्न प्रांतों में धार्मिक सभाएं, प्रार्थनाएं आदि आयोजित की जाएंगी और अगले साल तक भी कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित किए जाते

रहेंगे। अनुमान लगाया जा रहा है कि अंतिम संस्कार के इस आयोजन में ईरान-इराक़ सहित पूरे विश्व के क़रीब ढाई से तीन करोड़ तक लोग शरीक होंगे। अंतिम विदाई के इन समारोहों को ईरान केवल एक धार्मिक रस्म के रूप में ही नहीं बल्कि पिछले दिनों हुये युद्ध के बाद उभरी ईरान की राजनीतिक और कूटनीतिक ताक़त के बड़े प्रदर्शन के तौर पर भी देख रहा है।

इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे भी होते हैं, जिनकी पहचान केवल पद, सत्ता या प्रसिद्धि से नहीं होती, बल्कि उनके चरित्र, जीवन-शैली,सादगी,समर्पण और सेवा-भाव से बनती है। आयतुल्लाह सैयद अली ख़ामेनेई का जीवन भी उन्हीं व्यक्तित्वों में प्रमुख था जिसे सादगी, अनुशासन, आत्म-नियंत्रण और समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हालांकि उन्होंने ईरान में सर्वोच्च नेता के रूप में 47 वर्ष बिताए, जिसमें लगभग 40 वर्ष ईरान के रक्षा मंत्री , प्रेसिडेंट और सुप्रीम लीडर के तौर पर शामिल हैं। इसके बावजूद उनका सादा जीवन इस बात का संदेश देता है कि महानता केवल भव्यता के प्रदर्शन में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने में होती है। ख़ामेनेई ने बचपन से ही शिक्षा, क़ुरआन और दीनी सेवा को अपने जीवन के केंद्र में रखा। उन्होंने पढ़ाई, तालीम, तफ़सीर, और राजनीतिक-सामाजिक गतिविधियों को एक साथ आगे बढ़ाया, और बार-बार गिरफ़्तारी व निर्वासन के बावजूद अपना काम ताउम्र जारी रखा। वे अपने निजी जीवन में भी साधारण रहन-सहन पसंद करते थे। उनका पूरा परिवार भी बेहद साधारण जीवन जीता था। उन्होंने कभी सरकारी वेतन नहीं लिया। ख़ामनेई निजी लाभ, दिखावे और सत्ता की सुविधाओं से हमेशा दूर रहते थे। इसीलिये उनके जीवन को एक आदर्श,ईमानदारी व ज़िम्मेदारी की मिसाल के रूप में पेश किया जाता है। उनका पारिवारिक वातावरण धार्मिक, संयमी और सरल था। बचपन से ही उन्होंने कठिनाइयों, सीमित साधनों और संघर्षों के बीच शिक्षा प्राप्त की। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े व्यक्ति के भीतर ही जीवन की सच्ची क़ीमत समझने की क्षमता विकसित होती है। शायद इसी कारण उनके व्यक्तित्व में दिखावे से अधिक गंभीरता, और आराम से अधिक कर्तव्य दिखाई देता है। जब कोई व्यक्ति सत्ता की शक्ति के शिखर पर होते हुए भी सामान्य जीवन मूल्यों से जुड़ा रहता है, तो वह केवल प्रशंसा का पात्र ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिये प्रेरणास्रोत भी बन जाता है। उन्होंने अपने निजी जीवन में भी हमेशा विलासिता से दूरी बनाए रखी और सादगी को ही अपनी आदत, अपनी शैली और अपने स्वभाव का हिस्सा बनाया। यह सादगी केवल बाहरी नहीं थी, बल्कि उनके विचारों और प्राथमिकताओं में भी नज़र आती थी। वे दिखावे के बजाय दायित्व को महत्व देते थे और निजी सुविधा की जगह सार्वजनिक ज़िम्मेदारी को। मानवता का मूल भी यही है कि शक्ति व सुविधा का उपयोग अपने अहंकार के लिए नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए होना चाहिये। इसी लिये शहादत से ठीक पहले कहे गये उनके वह शब्द इतिहास में दर्ज हो चुके हैं कि जब उनसे उनके सलाहकारों द्वारा अमेरिकी-इस्राईली हमलों से बचने के लिये सुरक्षित स्थान पर जाने के लिये कहा गया तो उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर जाने से यह कहकर मना किया कि 'पहले राजधानी तेहरान के सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित जगह की व्यवस्था हो तभी मैं भी अपना घर छोड़ूंगा'। और इसी के कुछ क्षणों बाद ही वे भीषण हवाई हमले में शहीद हो गये। निःसंदेह उनके इसी समर्पण,सादगी व शिक्षा को सर्वाधिक महत्व देने के साथ करबला से प्रेरणा लेने का ही परिणाम था कि उन्होंने न केवल अपने जीते जी अमेरिका के स्वयं को विश्व का सर्वशक्तिमान समझने का घमंड चकनाचूर कर दिया बल्कि अपनी शहादत के बाद भी एक ऐसा ईरान खड़ा कर गये जो क्या अमेरिका तो क्या इस्राईल किसी के भी वर्चस्व या शक्ति को स्वीकार करने से इंकार कर रहा है। उनकी शहादत पूरी दुनिया के लोगों ख़ासकर सत्ताधीशों के लिये उदाहरण पेश करती है। शहीद सैयद अली ख़ामनेई को अलविदा कहते हुये कुंवर महेंद्र सिंह बेदी 'सहर' के शब्दों में यही कहूंगा कि 'जी के मरना तो सब को आता है। मर के जीना सिखा दिया तूने।।

सू- दोकू क्र.090

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.090 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

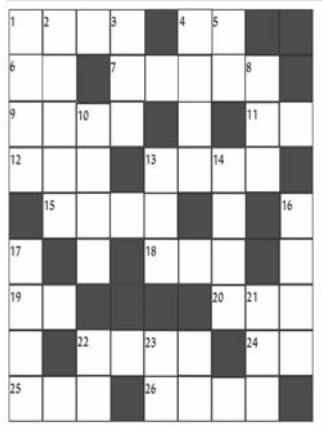

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 089 का हल

दि	क्ष	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

सुर्खियों में क्रिकेट, संघर्ष में टेनिस: क्या भारत सभी खेलों के साथ न्याय कर रहा है?

योगेश पुरी गोस्वामी

भारत को खेलों का उभरता हुआ महाशक्ति राष्ट्र कहा जाता है। ओलंपिक से लेकर विश्व चैंपियनशिप तक भारतीय खिलाड़ी लगातार देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। इसके बावजूद एक कड़वी सच्चाई यह है कि भारत में खेलों के प्रति सम्मान और पहचान समान रूप से वितरित नहीं है। क्रिकेट जहां राष्ट्रीय जुनून बन चुका है, वहीं टेनिस सहित अनेक खेल आज भी पहचान और संसाधनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हाल के दिनों में युवा क्रिकेट प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। कम उम्र में बड़े मंच पर प्रदर्शन कर उन्होंने करोड़ों भारतीयों का दिल जीता। समाचार चैनलों, अखबारों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में उनकी चर्चा स्वाभाविक रूप से छाई रही। लेकिन इसी दौर में एक और भारतीय प्रतिभा ने विश्व खेल मंच पर ऐसा कारनामा किया, जिस पर पूरे देश को गर्व होना चाहिए था। बेंगलुरु की युवा टेनिस खिलाड़ी सृष्टि किरण ने जूनियर टेनिस में विश्व नंबर-1 रैंकिंग हासिल कर भारत का नाम रोशन किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर उन्होंने यह साबित किया कि भारतीय बेटियां भी विश्व टेनिस में शीर्ष स्थान प्राप्त कर सकती हैं। दुर्भाग्य से उनकी उपलब्धि को वह राष्ट्रीय पहचान नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। यह तुलना किसी खिलाड़ी को छोटा या बड़ा साबित करने के लिए नहीं है। वैभव सूर्यवंशी और सृष्टि किरण दोनों असाधारण प्रतिभाएं हैं। दोनों ने कम उम्र में अपने-अपने खेल में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रश्न केवल यह है कि एक उपलब्धि राष्ट्रीय उत्सव बन जाती है, जबकि दूसरी सीमित दायरों में सिमट कर रह जाती है। इस असमानता का सबसे बड़ा कारण क्रिकेट का विशाल आर्थिक और व्यावसायिक तंत्र है। क्रिकेट में अरबों रुपये

का निवेश होता है। प्रसारण अधिकार, विज्ञापन, प्रायोजक और लीग प्रतियोगिताएं इसे आर्थिक रूप से सबसे प्रभावशाली खेल बनाती हैं। स्वाभाविक रूप से मीडिया का ध्यान भी उसी दिशा में अधिक केंद्रित रहता है। इसके विपरीत टेनिस एक महंगा और चुनौतीपूर्ण खेल है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, कोचिंग, यात्रा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए भारी खर्च उठाना पड़ता है। कई परिवार अपनी आर्थिक सीमाओं के बावजूद बच्चों के सपनों को जीवित रखते हैं। ऐसे में जब कोई खिलाड़ी विश्व स्तर पर सफलता प्राप्त करता है, तो उसका संघर्ष और उपलब्धि दोनों असाधारण महत्व रखते हैं। सृष्टि किरण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के दबाव को झेलते हुए निरंतर सफलता प्राप्त की। विश्व नंबर-1 बनना केवल प्रतिभा का परिणाम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और वर्षों की कठिन मेहनत का प्रतिफल है। दूसरी ओर वैभव सूर्यवंशी ने यह सिद्ध किया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। उनकी निडर बल्लेबाजी, आत्मविश्वास और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है। वे करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। दोनों खिलाड़ियों की सफलता एक महत्वपूर्ण संदेश देती है—प्रतिभा किसी एक खेल की बपौती नहीं होती। भारत के गांवों, कस्बों और शहरों में हजारों वैभव और सृष्टि मौजूद हैं, जिन्हें केवल अवसर और समर्थन की आवश्यकता है।

यदि भारत को वास्तव में खेल महाशक्ति बनना है तो हमें क्रिकेट से आगे देखने की आवश्यकता होगी। मीडिया को गैर-क्रिकेट खेलों को अधिक स्थान देना होगा। सरकार को खेल अवसंरचना और प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार करना होगा। कॉर्पोरेट क्षेत्र को भी प्रायोजन केवल लोकप्रियता नहीं, बल्कि प्रतिभा के आधार पर देना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम क्रिकेट की सफलता का उत्सव मनाते हुए अन्य खेलों की उपलब्धियों को भी समान सम्मान दें। जब किसी भारतीय खिलाड़ी के हाथ में बल्ला हो या टेनिस रैकेट, हॉकी स्टिक हो या तीर-कमान—हर सफलता राष्ट्र की सफलता है। वैभव सूर्यवंशी और सृष्टि किरण भारत की नई पीढ़ी के प्रतीक हैं। एक क्रिकेट के मैदान में चमक रहा है, दूसरी टेनिस कोर्ट पर इतिहास रच रही है। दोनों पर देश को समान गर्व होना चाहिए। क्योंकि खेल का मूल्य उसकी लोकप्रियता से नहीं, बल्कि खिलाड़ी के परिश्रम, संघर्ष और उपलब्धि से तय होता है। जिस दिन भारत यह समझ जाएगा, उसी दिन देश में खेलों की वास्तविक क्रांति शुरू होगी।

मृत मानवता को जगाते नकटी गांव के उजड़े घर

विजय मिश्रा 'अमित'

इतिहास साक्षी है अधिकाधिक त्याग की भावना से भरे शासक- विद्वान ही महान

विभूतियों के रुप में विख्यात हुए हैं। राजा हरिश्चंद्र, महर्षि दधीचि, दानवीर कर्ण मर्यादा पुरुषोत्तम राम,राजमोरध्वज, इसके आदर्श उदाहरण हैं। इनके कर्म संदेश देते हैं- *दूसरों पर लूटाने वाले खुद किसी को लूटा नहीं करते। पत्ते वही अच्छे लगते हैं जो डगालियों से टूटा नहीं करते।* इस आदर्श में ढलने की अपेक्षा सृष्टि के विवेकशील जीवों में सर्वश्रेष्ठ मनुष्यों से जाती है है। साथ ही त्याग,दान और दया जैसे भाव का स्वभाव मनुष्यों के आभूषण भी बनते हैं स्वाभाविक रूप होने जाती है। अधिकांश मनुष्यों के भीतर निहित दयाभाव की अपेक्षा और भरोसा में रायपुर माना क्षेत्र के नकटी ग्राम वासी डूबे हुए थे पर वे घर से बेघर हो गए। इसके कारण का खुलासा करते हुए प्रशासन की ओर से बताया गया कि नकटी गांव में नौ हेक्टेयर शासकीय जमीन पर लगभग अस्सी परिवारों का अवैध कब्जा था। इसीलिए मकानों को तोड़ा गया। मकान टूटा, गांव छूटा और रोते बिलखते यहां के रहवासियों का व्यवस्थापन नया रायपुर के दड़बानुमा फ्लैट में किया गया। सुना है नकटी ग्राम के इस रिक्त भूमि पर विधायक आवास बनाने की योजना है।इस पूरे घटनाक्रम ने जन मन को हिला कर रख दिया है और एक ही आवाज़ आ रही है ' विधायक विनाशक निवास' का निर्माण यहां किया जाएगा। इस मुद्दे को लेकर न्याय अन्याय के पलड़े पर आम जनता और सरकार अपना अपना पक्ष लेकर खड़े हुए हैं। समय काल परिस्थिति को देखते हुए लगता है कि गलत समय में गलत कदम उठाया गया है। न्यायोचित यही होगा कि सक्षम सरकार मुसीबत में घिरे परिवारों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं शीघ्रातिशीघ्र मुहैया करादे। नकटी गांव की घटना ने चिंतन- मनन करने को विवश करते हुए संदेश दिया है कि मनुष्यों को बटोरन लाल नहीं बांटन लाल बनने तत्पर रहना चाहिए। लालच की गठरी को बड़ा करने के बजाय अपनी गठरी में अनावश्यक संचित धन दौलत को दान-पुण्य में खर्च करने के लिए हाथ खुला रखना चाहिए। दान का अर्थ स्थूल रूप में धन दान से ही लिया जाता किंतु यह कोरा भ्रम है,इससे तो यही भान होता है कि निर्धन इंसान तो दान

कर ही नहीं सकता। ऐसे भ्रम को दूर करने के लिए ही सभी धर्मों में धन दान के अलावा श्रमदान,विद्या दान,जल दान ,नेत्रदान, रक्तदान, देहदान का भी उल्लेख मिलता है। नकटी के बिलखते परिजनों को देखते हुए यह बात एक बार फिर से उभर कर सामने आई है कि आज मानवीय सहयोग की नितांत आवश्यकता है।

छोटी सी बात पर गौर करें आप रास्ते में कहीं जा रहे हैं। कोई रिक्शा, ठेला वाला चढ़ाई वाली जगह पर बोझा भरे अपने रिक्शा ठेला को नहीं खींच पा रहा है। पसीने से तरबतर हो चला है। उस वक्त उसे अनदेखा करने के बजाय आप अपनी गाड़ी से उतरकर उसको चढ़ाई चढ़ने में मदद करते हैं तो यह श्रमदान आपके धन दान से अधिक महत्व रखता है। ऐसे ही किसी सार्वजनिक जगह पर नल से बहते पानी को नल की टोंटी बंद करके रोक देते हैं। गांव- शहर में तालाबों- बावलियों की सफाई में सहयोग करते हैं,तो पानी की बरबादी रोकने की जिम्मेदारी के साथ साथ आप जल दान का भी पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। नकटी गांव के दृश्य चित्र बता रहे हैं कि वहां अनेक विद्यार्थी अपनी अध्ययन सामग्री को चुके हैं। ऐसे मार्मिक दृश्य सचेत कर रहे हैं कि आपके आसपास अनेक अभाव ग्रस्त विद्यार्थी होते हैं । फटे बस्ते,फटे जूते-चप्पल, कपड़े, कापी किताब लिए वे दिख जाते हैं। कड़ी धूप में तपती जमीन पर नंगे पांव चलते,पानी बरसात में भीगते, ठंढ में ठिठुरते अनेक गरीब विद्यार्थी नजर आते हैं। ऐसे विद्यार्थियों की मदद अध्ययन सामग्री, स्वेटर, बरसाती,छाता, जूते चप्पल देकर कर सकते हैं। खाली समय में उन्हें पढ़ा लिखा देते हैं तो आपका ऐसा उपक्रम विद्या दान की श्रेणी में आ जाता हैं। यह दान केवल उस विद्यार्थी के लिए ही नहीं बल्कि बृहद अर्थों में उसके परिवार समाज,देश के लिए भी बहुपयोगी सिद्ध होता है। विद्या दान,ज्ञान दान को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी,डॉ अब्दुल कलाम जैसे महान हस्तियों ने सर्वोत्तम दान की संज्ञा दी है। चिकित्सा विज्ञान में हुई जबरदस्त उन्नति से अब देहदान, नेत्रदान, रक्तदान जैसे अनेक शारीरिक अंगों के दान का भी नया रास्ता खुल गया है,फलस्वरूप मृत्युपरांत कोई भी व्यक्ति अपने समूचे शरीर को अथवा शरीर के अलग-अलग अंगों यथा,फेफड़े,किडनी, आंख(कार्निया),ऊतक त्वचा आदि का दान कर सकता है। एक व्यक्ति के किए अंगदान से अनेक व्याधिग्रस्त व्यक्तियों के जीवन में दुःखों का अंत और अपार सुखों का संचार होता है। नकटी गांव के उजड़े घर इस बात को भी उजागर कर रहे हैं कि-- स्वयं का दर्द महसूस होना जीवित होने का प्रमाण है, लेकिन औरों का दर्द महसूस होना,औरों के दर्द को दूर करना इंसान होने का प्रमाण है अतः सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ प्राणी होने की गरिमा को बनाए हुए संकल्प लें - *दान दिए बिना सोना नहीं और दान देकर कभी रोना नहीं*।

कोटवार संघ नरहरपुर ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर,5 जुलाई। जिले के कोटवार संघ नरहरपुर ने अपनी लंबी समय से चली आ रही मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कोटवार लंबे समय से अंग्रेजों के शासनकाल से अपने कार्य में लगे हुए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। इससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। संघ ने कहा है कि कोटवारों को उनके सेवा काल के दौरान भी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके जीवन यापन में कठिनाई हो रही है। सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के बाद भी इन मुद्दों का समाधान नहीं हो रहा है।

मांगें और वेतन में सुधार की आवश्यकता

कोटवार संघ ने अपनी मुख्य मांगों रखते हुए कहा है कि वर्तमान में उन्हें जो वेतन दिया जा रहा है, वह महंगाई के इस दौर में बहुत ही कम है। सेवा भूमि के अनुसार उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। वर्तमान वेतनमान और उसकी तुलना में सुधार की आवश्यकता है। संघ ने प्रस्ताव रखा है कि जिनको कोई जमीन नहीं है, उन्हें 6000 रुपये, तीन से सात एकड़ जमीन वाले को 5500 रुपये, सात से सोलह एकड़ के बीच जमीन वाले को 4500 रुपये, और दस एकड़ से अधिक जमीन वाले को 3000 रुपये का वेतन दिया जाए। इन वेतनमान को क्रमशः 15000, 12000, 10000 और 8000 रुपये किया जाए।

कोटवारों की वर्तमान स्थिति और न्यायालय का आदेश

कोटवारों का आरोप है कि उन्हें आज भी सरकारी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। सेवा अवधि पूरी करने के बाद भी उन्हें पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिल पा रहा है। अदालत ने निर्देशित किया है कि अस्थायी कर्मचारी जो 10 वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे हैं, उन्हें नियमित किया जाए। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कोटवारों का मानना है कि उन्हें भी समान अधिकार मिलना चाहिए ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

नियुक्ति और नियमितीकरण की समस्या

कोटवार संघ ने कहा है कि वर्तमान में नियुक्तियों में पारदर्शिता का अभाव है। उनके परिवार के सदस्यों को प्राथमिकता देने के बजाय वंशज के आधार पर नियुक्ति दी जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। इससे योग्य और पात्र उम्मीदवार न्यायालय का रुख कर रहे हैं। संघ ने सरकार से आग्रह किया है कि नियुक्ति और नियमितीकरण के प्रावधानों को स्पष्ट और पारदर्शी किया जाए, ताकि योग्य उम्मीदवारों को अवसर मिल सके। इससे वर्तमान कोटवारों और उनके परिवारों की स्थिति में सुधार होगा।सरकार से अपेक्षा और भविष्य की योजना संघ ने कहा है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। उनका उद्देश्य केवल अपने अधिकारों का संरक्षण और सम्मान है।

सरकार से अपेक्षा है कि वे इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करें और शीघ्र ही उचित कदम उठाएं ताकि कोटवारों का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

कुत्तों के झुंड के हमले से घायल चीतल की ग्रामीणों ने बचाई जान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर/उसूर 5 जुलाई। उसूर वन क्षेत्र में शुक्रवार शाम कुत्तों के झुंड के हमले से एक चीतल घायल हो गया। जान बचाने के लिए भागता हुआ चीतल उसूर गांव पहुंच गया और एक ग्रामीण के घर की बाड़ी में घुस गया। ग्रामीणों की तत्परता से उसकी जान बच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुत्तों का झुंड काफी देर तक चीतल का पीछा करता रहा और उस पर हमला कर दिया। घायल अवस्था में चीतल गांव की ओर भागा, जहां ग्रामीणों ने कुत्तों को खदेड़कर उसे सुरक्षित बचा लिया।घटना की सूचना जनपद सदस्य भीमा एवं नागेश सहित अन्य ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही परिक्षेत्र पामेड़ और आवापल्ली के वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायल चीतल को अपने संरक्षण में लेकर उपचार के लिए आवापल्ली पशु चिकित्सालय पहुंचाया। परिक्षेत्र अधिकारी भगत ने बताया कि चीतल को हमले में केवल हल्की खरोंचें आई थीं। पशु चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति सामान्य पाई गई। स्वस्थ होने पर उसे सुरक्षित रूप से पुनः वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों की संवेदनशीलता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक वन्यजीव की जान बच गई, जिसकी क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

एक नजर

हिंसक वन्य प्राणी बाघ या तेंदुआ ने किया गाय का शिकार,जांच कर रहा वन विभाग

जगदलपुर , 5 जुलाई (तछसं.)। बस्तर जिले के जगदलपुर मुख्यालय से 20 किमी. दूर ग्राम पंचायत कैका-चेरबहार क्षेत्र में एक हिंसक वन्य प्राणी ने गाय का शिकार किया है। कुछ लोगों का कहना है कि, गांव में बाघ ने दस्तक दी थी, तो वहीं कुछ का कहना है कि तेंदुआ ने शिकार किया है। हालांकि, ये बाघ है या फिर तेंदुआ फिलहाल स्पष्ट नहीं है। क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग का कहना है कि पंजे के निशान के आधार पर जांच की जा रही है। जानकारों के अनुसार बस्तर का यह क्षेत्र इंद्रावती टाइगर रिजर्व और ओडिशा के वन क्षेत्रों से जुड़ा वन्यजीव कॉरिडोर है। ऐसे में बड़े वन्यजीवों की आवाजाही की संभावना बनी रहती है। गाय का शिकार और उसे घसीटने का तरीका बाघ की गतिविधि से मेल खाता है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष वन विभाग की जांच और कैमरा ट्रैप की तस्वीरों के बाद ही सामने आएगा।कैका-चेरबहार क्षेत्र में एक हिंसक वन्यजीव ने गांव के करीब पहुंच गाय का शिकार किया। मामला भूमकाल सिरहा के घर के पास का है। जब ग्रामीण वहां पहुंचे तो गाय मृत अवस्था में मिली और उसके शव को घसीटकर खेतों की ओर ले जाने के निशान भी दिखाई दिए। ग्रामीणों का दावा है कि इलाके में पहले भी बाघ की आमद की चर्चाएं होती रही हैं। उनका कहना है कि रात करीब 9 बजे गांव के पास स्थित खेत में अचानक गाय के रंभाने की आवाज सुनाई दी। कुछ देर बाद आवाज बंद हो गई। सुबह तलाश करने पर गाय का शव मिला, जिसे हिंसक वन्यजीव खेत की ओर घसीटकर ले गया था। घटनास्थल पर वन विभाग को बड़े आकार के पंजों के कई निशान मिले हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये निशान किसी बड़े बाघ के हो सकते हैं। हालांकि वन विभाग के अधिकारी अभी इसे लेकर कोई अंतिम पुष्टि नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि निशानों और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया जा रहा है।वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शिकार का तरीका और मौके पर मिले साक्ष्य किसी बड़े हिंसक वन्यजीव की ओर इशारा करते हैं, लेकिन यह बाघ है या तेंदुआ, इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। विभाग ने इलाके में कैमरा ट्रैप लगाने और आसपास के जंगलों की निगरानी बढ़ाने का फैसला किया है। साथ ही ग्रामीणों से रात के समय जंगल और खेतों की ओर अकेले नहीं जाने की अपील की गई है।

भाजपा जिला कार्यालय में मनोनीत पार्षदों का किया गया स्वागत

जगदलपुर,5 जुलाई (तछसं.। नगर पालिक निगम व नगर पंचायत बस्तर में नव मनोनीत पार्षदों (एल्डर मैन) ने शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में पहुंचकर संगठन के वरिष्ठों से भेंट की और आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सभी नव मनोनीत पार्षदों को बधाई व शुभकामनायें दी एवं जनहित के कार्यों में अग्रणी रहते हुये संगठन को सशक्त बनाने नव दायित्व का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से करने कहा। नव मनोनीत पार्षदों में राजेश श्रीवास्तव, रोहित त्रिवेदी, संतोष त्रिपाठी, यशवर्धन राव, अतुल कौशल, आशुतोष पाल, लक्ष्मी कश्यप, नगर पंचायत बस्तर से बनमाली यादव, आशा पाटिल, बसंती पटेल शामिल रही। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सभी नव मनोनीत पार्षदों के साथ बैठक कर विस्तार से चर्चा की और निपुणता से बेहतर कार्य करने की बात कही। इस दौरान जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही,परीस बेसरा, नगर मण्डल अध्यक्ष प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, शशिनाथ पाठक, दशरथ गुप्ता, रौशन झा मौजूद रहे।

मामूली धाराओं में आरोपियों को मिली राहत, सहमा पीड़ित परिवार

बुजुर्ग गार्ड की बेरहमी से पिटाई मामले में पुलिस की लचर कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 5 जुलाई। शहर के धरमपुरा स्थित विशाल मेगा मार्ट में एक बुजुर्ग सुरक्षाकर्मी के साथ हुई बर्बरता और उसके बाद पुलिस की सुस्त व लचर कार्रवाई ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 1 जुलाई को पार्किंग विवाद के बाद बुजुर्ग गार्ड नंद दुलाल डे की बेरहमी से पिटाई के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। रसूखदारों के आगे बेबस नजर आ रही पुलिस ने मामले में इतनी मामूली धाराएं लगाई हैं कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे पीड़ित परिवार खौफ के साए में जीने को मजबूर है।

सीसीटीवी में कैद हुई बर्बरता, फिर भी पुलिस का नरम रुख

घटना का जो सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, वह किसी का भी दिल दहलाने के लिए काफी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी शुभम मोदी और उसका भाई आदित्य मोदी बुजुर्ग गार्ड को बेरहमी से खींच रहे हैं, जमीन पर पटक रहे हैं और लात-घूंसों से अंधाधुंध वार कर रहे हैं। इस जानलेवा हमले के बाद बुजुर्ग मौके पर ही बेहोश हो गए थे और फिलहाल उनकी हालत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हैरानी की बात यह है कि इतनी क्रूरता के बावजूद बोधघाट पुलिस ने मामले को बेहद हल्के में लिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 296, 351 और 115 जैसी मामूली और जमानती धाराओं के तहत खानापूर्ति करते हुए स्नढ्ढक्रदर्ज की, जिसका नतीजा यह हुआ कि आरोपियों को तुरंत राहत मिल गई।

हमें न्याय चाहिए, डर में जी रहा है परिवार, रो पड़ी बेटी

सीसीटीवी फुटेज देखकर रोने वाली बुजुर्ग की बेटी ज्योति डे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर पुलिस की कार्रवाई पर गहरा आक्रोश जताया है।

> हम अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि कोई हमारा पीछा कर रहा है। कुछ संदिग्ध लोग हमारे घर की फोटो और वीडियो बना रहे हैं। पुलिस की इस ढीली कार्रवाई से हम बिल्कुल संतुष्ट नहीं हैं। मामूली धक्का-मुक्की की धाराएं लगाकर आरोपियों को छोड़ दिया गया है। हम न्याय के लिए मुख्यमंत्री के पास जाएंगे।
>
> **(ज्योति डे, पीड़ित की बेटी)**

ज्योति ने बताया कि घटना के बाद से पूरा परिवार गहरे मानसिक आघात (ट्रॉमा) में है।

चौबीस घंटे बाद जागी पुलिस, सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश

पुलिस की कार्यप्रणाली इस कदर सुस्त रही कि घटना 1 जुलाई की है, लेकिन पुलिस ने 24 घंटे तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ और बंगाली समाज समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों ने थाने पहुंचकर उग्र नाराजगी जताई, तब जाकर 2 जुलाई की शाम को पुलिस ने केस दर्ज किया।इस मामले में जब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग से बात की गई, तो उन्होंने घिसा-पिटा जवाब देते हुए कहा कि,मामले में जांच चल रही है और जांच के बाद कुछ और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। वहीं बोधघाट थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान ने पुष्टि की कि सभी धाराएं जमानती हैं और फिलहाल कोई काउंटर स्नढ्ढक्रदर्ज नहीं हुई है।

जनता का सवाल- रसूखदारों के आगे क्यों नतमस्तक है पुलिस?

इस घटना ने जगदलपुर पुलिस की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। एक तरफ सूबे के मुखिया अपराध पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर पुलिस एक बुजुर्ग पर हुए जानलेवा हमले को साधारण मारपीट बताकर रफा-दफा करने की कोशिश में जुटी है। जनता पूछ रही है कि आखिर रसूखदार आरोपियों को बचाने के लिए खाकी इतनी मेहरबान क्यों है? पीड़ित परिवार ने अब समाज और सरकार से न्याय की गुहार लगाई है।

बुजुर्ग सुरक्षाकर्मी से मारपीट मामले में बंगाली समाज ने की सख्त कार्रवाई की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 5 जुलाई। विशाल मेगा मार्ट एवं वर्गीस बिल्डर्स में कार्यरत बुजुर्ग सुरक्षाकर्मी नंददुलाल डे के साथ कथित मारपीट के मामले में बंगाली समाज ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।शनिवार को निखिलभरत बंगाली समवाय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं गंभीर जांच कराने तथा आरोपियों पर गैर-जमानती धाराएं जोड़ने की मांग की।समिति ने ज्ञापन में कहा कि आरोपी शुभम मोदी एवं आदित्य मोदी के विरुद्ध वर्तमान में दर्ज जमानती धाराओं के चलते उन्हें थाने से ही मुचलके पर रिहा कर दिया गया। समाज का कहना है कि मामले के तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के अनुरूप यदि गंभीर धाराएं नहीं जोड़ी गईं, तो पीड़ित और उसके परिवार को न्याय मिलने में कठिनाई हो सकती है।प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की पारदर्शी एवं विधिसम्मत जांच कर, पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपियों के विरुद्ध उपयुक्त गैर-जमानती धाराएं जोड़ी जाएं। समाज का कहना है कि इससे पीड़ित को न्याय मिलेगा और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर प्रभावी रोक लग सकेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में निखिलभरत बंगाली समवाय समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश चौधरी, संभागीय अध्यक्ष जीवानंद हालदार, संभागीय सहसचिव प्रदीप गुहा, सहसचिव तनय चौधरी, मलय विश्वास, तपन दत्ता, गोपाल मलिक तथा मीडिया प्रभारी मृण्मय बाबू बारोई सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित, जिले के 12 मंडलों की सूची जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,5 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी ने जिले के 12 मंडलों में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं संगठन महामंत्री पवन साय की अनुमति से भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने शनिवार को विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों की सूची जारी की। जारी सूची के अनुसार जगदलपुर पूर्वी नगर, जगदलपुर पश्चिम नगर, भानपुरी, बकावण्ड, नगरनार, नानगुर, बास्तानार, बस्तर, तोकापाल, सरगीपाल, दरभा एवं करपावण्ड मंडलों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सोशल मीडिया प्रभारी, कार्यालय प्रभारी सहित विभिन्न दायित्वों पर कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई है।जगदलपुर पूर्वी नगर मंडल में रमेश नायडू, जगदलपुर पश्चिम नगर में अनिमेष सिंह चौहान, भानपुरी में ओमप्रकाश कश्यप, बकावण्ड में भगत सोनी, नगरनार में रूपेश समरथ, नानगुर में नरेन्द्र पाण्डे, बास्तानार में रूपाराम मुचाकी, बस्तर मंडल में योगेश कुमार चंदेल, तोकापाल में शिव सूर्यवंशी, सरगीपाल में खगेश्वर कर्मा, दरभा में दिनेश कुमार पाण्डे तथा करपावण्ड मंडल में तुलसी राम भारती को भाजयुमो मंडल अध्यक्ष बनाया गया है।भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा युवा मोर्चा की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी संगठन के विस्तार, युवाओं को जोड़ने और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मददेड़ में 5 से 11 जुलाई तक नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा एवं कलश स्थापना महोत्सव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 जुलाई। जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर बसे मददेड़ गांव में नव निर्मित शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश स्थापना महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल है। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज रहे हैं। ग्रामवासी एवं श्री सीताराम शिवालय समिति, मददेड़ के नेतृत्व में आयोजित इस सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा और धार्मिक ध्वजों से भव्य रूप दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं में इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार महोत्सव 5 जुलाई से 11 जुलाई 2026 तक वैदिक रीति-रिवाजों और धार्मिक

अनुष्ठानों के साथ संपन्न होगा।5 जुलाई को वरुण पूजन, गौरी-गणेश पूजन, घट स्थापना, भगवान शिव की भव्य नगर भ्रमण शोभायात्रा और कलश यात्रा निकाली जाएगी। शाम को जलाधिवास, अन्नाधिवास एवं महाआरती होगी। 6 जुलाई को नित्य पूजा के साथ औषधाधिवास तथा संध्या में फलाधिवास, धूपाधिवास, मिष्ठानाधिवास एवं आरती का आयोजन होगा। 7 जुलाई को वस्त्राधिवास, द्रव्याधिवास, रत्नाधिवास और शय्याधिवास की वैदिक विधियां संपन्न कराई जाएंगी। महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण दिन 8 जुलाई रहेगा। प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। इसके पश्चात महादेव का मंदिर प्रवेश, रुद्राभिषेक, महाधिवास और विशेष महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस दिव्य अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके बाद 9 जुलाई को मंदिर के शिखर एवं ध्वज की स्थापना, 10 जुलाई को महायज्ञ, पूर्णाहुति और विशाल महाप्रसाद वितरण तथा 11 जुलाई को शिव नामकरण विधि एवं आचार्य प्रस्थान के साथ महोत्सव का विधिवत समापन होगा। श्री सीताराम शिवालय समिति ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित इस भव्य धार्मिक आयोजन में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

बारिश के बीच महापौर ने विभिन्न वार्डों का किया भ्रमण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जगदलपुर, 5 जुलाई (तछसं.)। निगम महापौर संजय पांडे और नगर निगम की टीम ने लगातार हो रही बारिश के बीच शहर विभिन्न वार्डों का का दौरा कर जल निकासी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वार्ड भ्रमण के दौरान उन्हें सूचना मिली कि सिटी ग्राउंड के सामने स्थित विशाल आम का पेड़ बारिश की वजह से धराशाई हो गया तो महापौर तत्काल वहां पहुंचे । इस दौरान एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, पार्षद कुबेर देवागंन , नगर निगम कर्मचारी हेमंत श्रीवास , अनिल ठाकुर एवं निगम का अमला उपस्थित रहा। आम के पेड़ के गिरने की वजह से यातायात व्यवस्था बाधित हो गई थी, निगम कर्मियों ने आम के पेड़ को हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल करवाई। वहीं शहर के शहीद पार्क सहित कुछ स्थानों पर जल भराव की सूचना पर महापौर ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई ।महापौर संजय पांडे ने कहा कि सुबह से हो रही बारिश की वजह से कुछ स्थानों पर उन्हें जल भराव की सूचना मिली थी ,जिसके बाद उन्होंने निगम कर्मियों को इसके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए थे । इस दौरान निगम कर्मियों द्वारा पानी की निकासी में जो भी अवरोध था ,उसे तत्काल हटाया गया है । महापौर ने बारिश के दौरान नगारिकों से जलजनित रोगों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि घरों में पानी का जमाव न होने दें ।

सीएम शिकायत पोर्टल 1076 का असर:गगनपल्ली-रावतपारा सड़क निर्माण का भुगतान बिल 10 दिनों में हुआ अग्रेषित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 जुलाई। मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल 1076 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद गगनपल्ली से रावतपारा सड़क निर्माण कार्य के भुगतान मामले में त्वरित कार्रवाई हुई है। शिकायत के महज 10 दिनों के भीतर संबंधित भुगतान का बिल उच्च कार्यालय को भेज दिया गया।मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद पिछले लगभग छह माह से ठेकेदार और पेटी ठेकेदार को भुगतान नहीं मिल रहा था। उनका कहना है कि उन्होंने कई बार कार्यपालन अभियंता नवीन तोंडे को लिखित आवेदन दिए तथा मौखिक रूप से भी भुगतान की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। भुगतान लंबित रहने से वे आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे थे।इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद विभाग ने मामले में कार्रवाई करते हुए 10 दिनों के भीतर भुगतान के लिए बिल उच्च कार्यालय को अग्रेषित कर दिया। शिकायतकर्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल के माध्यम से उनकी समस्या पर त्वरित कार्रवाई हुई, जिससे उन्हें राहत मिली। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिकायत पोर्टल आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। हालांकि, भुगतान की अंतिम प्रक्रिया उच्च कार्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद पूरी होगी।

मालूर-भांसी सेक्शन पर रेलवे ट्रैक डबलिंग का काम हुआ पूरा, संचालन की मिली मंजूरी

जगदलपुर, 5 जुलाई । जिले के कमालूर और भांसी स्टेशनों के बीच जगदलपुर -किरंदुल डबलिंग परियोजना के तहत तैयार दूसरी रेल लाइन का रेल संरक्षा आयुक्त सीआरएस ने निरीक्षण किया। निरीक्षण और स्पीड ट्रायल सफल रहने के बाद 12 .428 किलोमीटर लंबे इस सेक्शन को ट्रेन संचालन के लिए फिट घोषित किया गया है।

केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 1 के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 5 जुलाई। केंद्रीय विद्यालय, कोंडागांव में नवप्रवेशी कक्षा 1 के विद्यार्थियों के स्वागत के लिए 4 जुलाई शनिवार को विद्या प्रवेश उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री नंद किशोर वासनिक ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इसके पश्चात विद्यालय परिवार ने नन्हे विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों को उपहार स्वरूप पेन, पेंसिल तथा अन्य अध्ययन-सहायक सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा सामूहिक लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। नन्हे बच्चों की

उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह को उल्लासमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम, अनुशासन तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं उत्तम संस्कारों के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य श्री नंद किशोर वासनिक ने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के उपरांत पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (क्क्षरू) आयोजित की गई, जिसमें अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में प्राचार्य ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, विभिन्न गतिविधियों, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उत्सवमय बना रहा। नन्हे विद्यार्थियों के चेहरों पर नई शैक्षणिक यात्रा की खुशी, उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

बस्तर मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, यहां के समाज और संघर्ष ने मुझे बहुत कुछ सिखाया-सुन्दरराज पी.

जगदलपुर, 5 जुलाई । जनजातीय गौरव समाज बस्तर संभाग के तत्वावधान में नागरिक अलंकरण समारोह का डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार (टाउन हॉल) में आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर के निवर्तमान पुलिस महानिरीक्षक पी. सुन्दरराज को बस्तर संभाग में नक्सल मुक्त अभियान में उनके साहसिक एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए जनजातीय रीति-रिवाजों के परंपरानुसार सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में बस्तर के निवर्तमान पुलिस महानिरीक्षक पी. सुन्दरराज ने अपने अनुभव साझा करते हुए अत्यंत भावुक शब्दों में कहा कि बस्तर अब केवल मेरी पदस्थापना का स्थान नहीं, बल्कि मेरे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी, यहां के जनजातीय समाज की सादगी, अपनापन और संघर्षशीलता ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया है।

संलग्नीकरण खत्म होने से संवेदनशील इलाकों के पोटा केबिन शालाओं का भविष्य अधर में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर , 5 जुलाई। राज्य शासन के निर्देश के बाद बस्तर संभाग में वर्षों से विभिन्न कार्यालयों और गैर-शैक्षणिक मलाईदार कुर्सियों पर जमे शिक्षकों और कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है। प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई के बाद सभी अटैच अध्यापकों को तत्काल प्रभाव से उनके मूल विद्यालयों में भेज दिया गया है। लेकिन इस सराहनीय प्रशासनिक सुधार ने बस्तर संभाग की रीढ़ मानी जाने वाली 'पोटा केबिन शालाओं' के सामने एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित और अंदरूनी इलाकों में संचालित पोटा केबिन के लिए पृथक से कोई आधिकारिक सेटअप स्वीकृत नही होने के कारण, अब इन आवासीय विद्यालयों का भविष्य अधर में लटकता नजर आ रहा है। पोटा केबिन शालाओं की शुरुआत माओवादी हिंसा के कारण ध्वस्त हुए स्कूलों के विकल्प के रूप में की गई थी। विडंबना यह है कि स्थापना के डेढ़ दशक बाद भी शासन द्वारा पोटा केबिन के लिए कोई स्वतंत्र सेटअप पर भर्ती नहीं की गई है। अब तक यह केवल अनुदेशकों के भरोसे ही चल रहा है। नई व्यवस्था के बाद अधीक्षक भारमुक्त कर दिए गए है।

बीजापुर जिला में बासागुड़ा, तर्रेम, पीडिया, आवापल्ली, उसूर, भोपालपटनम और भैरमगढ़ के अंदरूनी क्षेत्र। सुकमा जिला में कोंटा, जगरगुंडा, दोरनापाल, छिंदगढ़ और कटेकल्याण से सटे सीमावर्ती इलाके। दंतेवाड़ा जिला में कुआकोंडा, गीदम, कटेकल्याण के संवेदनशील अंदरूनी ग्राम। नारायणपुर जिला में ओरछा (अबूझमाड़), कोहकामेटा और छोटेडोंगर के सुदूर अंचलों में पेटाकेबिन संचालित है। विदित हो कि बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर में वर्तमान में 65 से अधिक पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) संचालित हो रहे हैं, जिनमें लगभग 32 हजार आदिवासी बच्चे रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अब तक इन शालाओं को चलाने के लिए शिक्षा विभाग दूसरे नियमित स्कूलों के शिक्षकों को 'पोटा केबिन' में अटैच (संलग्न) करके काम चला रहा था।

एक नजर

आठ वर्षीय बच्ची के साथ अनाचार का आरोपी पिता गिरफ्तार

कोंडागांव, 5 जुलाई। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले एक पिता ने अपने ही आठ वर्षीय बच्ची के साथ अनाचार किया। रात को जब मां लौटी तो बेटी ने अपने साथ हुए घटना के बारे में अपनी मां को बताई। जिसके बाद आज शनिवार सुबह मामला दर्ज करवाया गया, पुलिस ने आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया है। कोंडागांव कोतवाली थाना प्रभारी सौरभ उपाध्याय ने बताया कि एक मां अपनी 8 वर्षीय बच्ची को लेकर थाने आई, बच्ची की मां ने बताया कि बीती रात को जब वह शौच करने के लिए गई हुई थी उसी दौरान उसके पिता ने नाबालिग बेटी के साथ अनाचार किया। रात को जब उसकी मां आई तो बच्ची को रोता हुआ देखकर उसका कारण पूछने पर पिता की करतूत बताई। बच्ची के अनुसार पिता ने इससे पहले भी बच्ची को डरा धमकाकर 3 से 4 बार अनाचार कर चुका था। मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपित को खोज निकाला और उसे गिरफ्तार कर लिया है। परिवार के अनुसार बड़ी बेटी के अलावा एक छोटा बेटा भी है।पुलिस का कहना था कि बेटी से जब बात किया गया तो उसका कहना था, कि पिता की इस हरकत के बारे में वह डर के चलते नही बता पा रही थी। पिता ने इसी बात का फायदा उठाते हुए अपनी नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बनाया। लेकिन जब मामला अधिक हो गया और पिता बार-बार अपनी हरकतों से परेशान हो गई तो उसने अपनी मां को बताने के बारे में भी सोचा था, लेकिन शुक्रवार रात हुए इस घटना के बाद बेटी के सब्र का बांध टूट गया और अपनी मां को अपनी पूरी आप बीती बता दिया।

ग्राम पंचायत बावनकेरा में कृषक चौपाल आयोजित

महासमुंद, 5 जुलाई । राज्य शासन की मंशानुरूप जिले में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा कृषक चौपाल का आयोजन कर किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने जागरूक और प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बावनकेरा में कृषक चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में किसानों को खरीफ मौसम के दौरान फसल विविधीकरण अपनाने तथा धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती के लिए प्रेरित किया गया।ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ने किसानों को शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सामान्य भूमि पर दलहन एवं तिलहन की खेती करने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ तक अनुदान प्रदान किया जाएगा। वहीं उच्च भूमि एवं असिंचित क्षेत्रों में दलहन, तिलहन, रागी एवं कपास की खेती करने पर 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की विशेष अनुदान सहायता का प्रावधान है। चौपाल में किसानों को मौसम की संभावित परिस्थितियों से भी अवगत कराया गया। बताया गया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष एल नीनो के प्रभाव के कारण वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है। ऐसे में किसानों को अधिक पानी की आवश्यकता वाली धान फसल के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली दलहन एवं तिलहन फसलों को अपनाने की सलाह दी गई, जिससे जल संरक्षण के साथ-साथ फसल नुकसान की संभावना भी कम होगी।

उन्होंने बताया कि शासन की इस पहल का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, भू-जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना है। चौपाल में उपस्थित किसानों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने एवं फसल विविधीकरण को अपनाने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार-2026 के लिए 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

महासमुंद, 5 जुलाई । राज्य शासन की राज्य शिक्षा अलंकरण योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 के लिए मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार प्रदान किए जाने हेतु जिले से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी.एल. देवांगन ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

लोक शिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार विकासखंड, जिला एवं संभाग स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं प्राचार्यों का चयन निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। चयनित शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को सम्मानित किया जाएगा।योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर शिक्षा दूत पुरस्कार जिला स्तर पर ÷ज्ञान दीप पुरस्कार संभाग स्तर पर ÷शिक्षा श्री पुरस्कार÷ तथा उत्कृष्ट प्राचार्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। शिक्षा दूत पुरस्कार के लिए प्रत्येक विकासखंड से प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर के प्रधान पाठकों तथा शिक्षकों का चयन किया जाएगा। विकासखंड स्तर से चयनित नामों में से जिला स्तर पर तीन उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन ज्ञान दीप पुरस्कार के लिए किया जाएगा, जबकि प्रत्येक जिले से एक शिक्षक का चयन शिक्षा श्री पुरस्कार के लिए संभाग स्तर पर किया जाएगा।

नशे की रोकथाम, पुनर्वास और रोजगार से जोड़ने की पहल पर हुई खुली चर्चा, मिले कई महत्वपूर्ण सुझाव

एसएसपी एवं कलेक्टर ने समाज के हर वर्ग से की जनभागीदारी की अपील

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़ 5 जुलाई । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आयोजित रायगढ़ पुलिस के दो दिवसीय जनजागरूकता प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का समापन आज नगर निगम ऑडिटोरियम में आयोजित पुलिस जन संवाद कार्यक्रम के साथ हुआ। संस्कारों से युक्त रायगढ़, नशा-सट्टा से मुक्त रायगढ़ थीम पर आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों एवं जिले के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपने सुझाव साझा किए।कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी ने किया। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित यह कार्यक्रम इस सोच पर आधारित है कि नशा और जुआ-सट्टा जैसी सामाजिक बुराइयों

का उन्मूलन केवल पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पुलिस एवं जिला प्रशासन ने नागरिकों को एक मंच पर लाकर संवाद की पहल की है। नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने कहा कि नशा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसके विरुद्ध सामाजिक एवं नैतिक स्तर पर भी वातावरण तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपने-अपने मोहल्लों एवं वार्डों से इस अभियान की शुरुआत करने तथा पुलिस एवं प्रशासन को समय पर सूचना देकर सक्रिय सहयोग करने की अपील की।अपने उद्बोधन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह ने कहा कि रायगढ़ सदैव अपनी सांस्कृतिक विरासत और संस्कारों के लिए जाना जाता रहा है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के दिनों में नशे की गिरफ्त में आए किशोरों एवं युवाओं से जुड़ी गंभीर घटनाएं समाज के लिए चेतावनी हैं। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रायगढ़ पुलिस केवल अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि नशे की लत से बाहर आए युवाओं को रोजगार, पुनर्वास एवं सम्मानजनक जीवन से जोड़ने की दिशा में भी समाज के सहयोग से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि क्रिकेट सट्टा एवं अन्य प्रकार के सट्टे ने अनेक परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से प्रभावित किया है, जबकि नशे के कारण युवा बार-बार अपराध की ओर लौट रहे हैं। इसी सोच के साथ ÷संस्कारों से युक्त रायगढ़, नशा-सट्टा से मुक्त रायगढ़÷ अभियान प्रारंभ किया गया है।कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि जिले में नशा एवं जुआ-सट्टा पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए प्रशासन, पुलिस और समाज को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें सबसे अधिक संतोष तब होगा जब नागरिक नशे से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास एवं उत्थान के लिए स्वयं आगे आएंगे। उन्होंने इसे पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।कार्यक्रम में नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि रायगढ़ पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीले पदार्थ, जुआ एवं क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि नशे की वजह से सड़क दुर्घटनाएं, चोरी, लूट एवं अन्य अपराधों में वृद्धि होती है। साथ ही किशोरों को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम (JJ Act) के तहत भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में पुलिस की कार्यवाही से जिला जेल में क्षमता से अधिक बंदी निरुद्ध हैं, जिनमें बड़ी संख्या नशे एवं जुआ-सट्टा से जुड़े अपराधों में संलिप्त रही है।

महापौर ने बैठक में कहा-सफाई में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़ 5 जुलाई । शहर में बारिश और मानसून के मद्देनजर नगर निगम कार्यालय में महापौर जवर्धन चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, सफाई दरोगाओं एवं सफाई ठेकेदारों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में शहर के सभी वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था, नालियों की नियमित सफाई, कचरा एवं कूड़ा उठाव, जलभराव की स्थिति तथा स्वच्छता संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।महापौर ने कहा कि बरसात के मौसम में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी वार्डों में नालियों की समय पर सफाई कराई जाए, कहीं भी कचरे का ढेर न लगे, नियमित रूप से कूड़ा उठाव किया जाए तथा जल निकासी की व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।बैठक में महापौर ने स्वास्थ्य विभाग, सफाई दरोगाओं और सफाई ठेकेदारों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि साफ-सफाई के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करें तथा समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ रायगढ़ का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और सफाई ठेकेदार पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए और नागरिकों को बेहतर एवं साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।बैठक के दौरान नगर निगम सभापति डिग्रीलाल साहू, स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, सफाई दरोगा एवं सफाई ठेकेदार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

तहसील कार्यालय से भू-अर्जन की मूल नस्ती नहीं मिलने से मचा हड़कंप,एफआईआर दर्ज

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़ 5 जुलाई । जिले के तहसील कार्यालय से एक गंभीर लापरवाही और संदिग्ध दस्तावेज गायब होने का मामला सामने आया है। कोसा भवन निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि से जुड़ी 22 साल पुरानी भू-अर्जन प्रकरण की मूल नस्ती (फाइल) रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, तहसीलदार रायगढ़ शिव कुमार डनसेना ने थाना चक्रधरनगर में लिखित आवेदन देकर बताया है कि ग्राम बैकुण्ठपुर की निजी भूमि अधिग्रहण से संबंधित भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 22/अ-82/1991-92 का मूल दस्तावेज जनवरी 2026 से लगातार खोजबीन के बावजूद नहीं मिल पाया है।बताया गया कि यह प्रकरण लोक निर्माण विभाग लोक निर्माण विभाग के लिए कोसा भवन निर्माण से जुड़ा हुआ है, जिसका अवार्ड 8 जुलाई 2004 को विधिवत पारित किया गया था। हाल ही में न्यायालयीन और कार्यालयीन कार्यों के लिए जब मूल फाइल की आवश्यकता पड़ी, तब अभिलेखागार में दस्तावेज तलाशे गए, लेकिन पूरी नस्ती गायब मिली। तहसील कार्यालय और अनुविभागीय अधिकारी भू-अर्जन शाखा के सभी रिकॉर्ड रूम और अन्य स्थानों पर सूक्ष्म जांच की गई, लेकिन दस्तावेज का कोई पता नहीं चल सका। इससे आशंका जताई जा रही है कि मूल प्रकरण की चोरी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार ने थाना प्रभारी चक्रधरनगर को पत्र क्रमांक 1634/तह./2026, 03 जुलाई के माध्यम से एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर धारा 305 बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। अब सवाल यह उठ रहा है कि इतने महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज आखिर कैसे गायब हो गए? क्या यह महज लापरवाही है या इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश? पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

झमाझम बारिश से जतमई के जलप्रपात को देखने के लिए सैलानियों की लग रही भीड़

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम,5 जुलाई। राजिम प्रदेश व गरियाबंद जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिर जतमई का वाटरफॉल बीती रात से हो रही बारिश से चालू हो गया है। जो दर्शकों को लुभाने के लिए काफी है बता दे की बीती रात से हो रही झमाझम बारिश से जहां खेत खलियानों में पानी बह रहा है। तो जतमई वा घटारानी जंगल का प्राकृतिक सौंदर्य अपने पूरे शबाब पर है। और यहां का वॉटरफॉल चालू हो गया है। साथ ही पूरी वादियां हरी-भरी हो गई है जहां लोग इन वादियों का लुफ्त उठाने पहुंचेंगे जून के महीने से यह जलप्रपात चालू हो जाता है पर इस बार जुलाई में चालू हुआ है । पर देर सही बारिश आई और पूरे मौसम को सुहावना बना दिया, रविवार होने की वजह से सुबह से ही लोग पानीं में भीगते हुए । मौसम का मजा लेते हुए नजर आए यह प्राकृतिक जलप्रपात अनायास ही सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है जिसका लोग आनंद ले रहे हैं।

धमतरी में माफियाओं पर प्रशासन और सख्त राजस्व और खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

धमतरी, 5 जुलाई। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन करने वाले माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर के कड़े निर्देशानुसार आज राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे 8 ट्रैक्टरों को रंगे हाथों जब्त किया है। इस अचानक हुई कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासन को लगातार कोलियारी-धमतरी मार्ग पर अवैध रेत परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। इस पर त्वरित एक्शन लेते हुए राजस्व और खनिज विभाग की एक संयुक्त जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने जब मार्ग पर घेराबंदी कर रेत ले जा रहे ट्रैक्टरों को रोका और उनसे खनिज परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज (रॉयल्टी पर्ची/अनुमति) की मांग की, तो वाहन चालक कोई भी संतोषजनक कागजात पेश नहीं कर सके।

वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 8 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। इन सभी वाहनों को सुरक्षित अभिरक्षा में रखवा दिया गया है और खनिज अधिनियम के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन की चेतावनी- आगे भी जारी रहेगा अभियान जिला प्रशासन ने इस कार्रवाई के बाद रेत और अन्य खनिज माफियाओं को कड़ा संदेश दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान आगे भी इसी तरह बिना रुके जारी रहेगा और पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने वाहन संचालकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और केवल वैध अनुमति के साथ ही खनिजों का परिवहन करें।

ढैंचा की हरी खाद से जैविक खेती की ओर बढ़े किसान हिमांशु बंजारे

महासमुंद 5 जुलाई । जिले के विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम बड़ेसाजापाली के प्रगतिशील किसान श्री हिमांशु बंजारे ने जैविक खेती को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने अपने 0.80 हेक्टेयर कृषि रकबे में ढैंचा की हरी खाद की फसल बोई है, जो वर्तमान में लगभग 30 दिन की हो चुकी है।

आस्था, संस्कृति और आत्मीय जनसंपर्क का संदेश देकर लौटे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत

जगदलपुर, 5 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत का तीन दिवसीय बस्तर प्रवास आस्था, संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं कांग्रेस परिवार के साथ आत्मीय संवाद का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा। पूरे प्रवास के दौरान उन्होंने धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उल्लेखनीय है कि यह संपूर्ण प्रवास पूरी तरह गैर-राजनीतिक रहा और डॉ. महंत ने इसे बस्तर की सांस्कृतिक विरासत एवं जनसंपर्क को समर्पित रखा। डॉ. महंत ने कल शाम बताया है कि बस्तर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान काछन गुड़ी पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पनका समाज के प्रतिनिधियों ने उनसे भेंट कर समाज से जुड़ी मांगों एवं समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने अनुसूचित जनजाति वर्ग में पनका जाति को शामिल करने की वर्षों पुरानी मांग की ओर ध्यान दिलाया। डॉ. महंत ने उनकी बातों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

उन्होंने बताया कि काछन गुड़ी बस्तर की विश्वविख्यात दशहरा परंपरा का प्रारंभिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। लगभग छह शताब्दियों से चली आ रही काछनगादी की परंपरा के अनुसार पनका समाज की एक अविवाहित कन्या देवी स्वरूप बस्तर दशहरे के शुभारंभ की अनुमति प्रदान करती है। इस ऐतिहासिक परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए डॉ. महंत ने कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर है, जिसके संरक्षण और संवर्धन की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. चरणदास महंत ने बताया कि राजनीतिक गतिविधियों से स्वयं को दूर रखते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी। उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसजनों, कार्यकर्ताओं एवं अपने शुभचिंतकों से आत्मीय संवाद स्थापित कर संगठनात्मक एकजुटता और पारिवारिक भावनाओं को और सुदृढ़ किया। उनके सहज, सरल एवं आत्मीय व्यवहार ने बस्तर के कांग्रेस परिवार में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार किया।

बगनई नदी में फंसे 14 मजदूरों का सफल रेस्क्यू रात पेड़ पर बिताई रात,सुबह सुरक्षित निकाले गए

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम, 5 जुलाई। विकासखंड छुरा के अंतिम वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम बीजापाल में निर्माणाधीन पुल के कार्य में लगे 14 मजदूर अचानक बगनई नदी में आए तेज बहाव के कारण बीच धारा में फंस गए। लगातार हुई बारिश से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिससे मजदूरों को अपनी जान बचाने के लिए नदी किनारे मौजूद एक पेड़ का सहारा लेना पड़ा। सभी मजदूरों ने पूरी रात पेड़ पर ही बिताई और सुबह तक राहत एवं बचाव दल के पहुंचने का इंतजार किया।

जानकारी के अनुसार फंसे हुए मजदूरों में 10 पुरुष एवं 4 महिलाएं शामिल थीं। नदी का बहाव इतना तेज था कि रात के समय उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना संभव नहीं हो पाया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और सुबह होते ही बचाव अभियान शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद जिला प्रशासन और महासमुंद जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। महासमुंद से पहुंची विशेष रेस्क्यू टीम ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते राहत कार्य शुरू होने से एक बड़ी अनहोनी टल गई।रेस्क्यू अभियान के दौरान गरियाबंद कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, थाना प्रभारी तथा ग्राम पंचायत के सरपंच सहित प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने लगातार स्थिति की निगरानी करते हुए बचाव दल को आवश्यक निर्देश दिए।स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन और रेस्क्यू टीम के प्रयासों की सराहना की। सभी मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों और निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

1 माह में 3 शिक्षक देने का दिया भरोसा, तब खुला स्कूल का ताला

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 5 जुलाई । शिक्षक की कमी को लेकर संकुल देवड़ा के बड़े अलनार प्राथमिक स्कूल में ग्रामीणों द्वारा लगाए गए ताले का मामला फिलहाल सुलझ गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने एक माह के भीतर स्कूल में तीन शिक्षकों की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आज शनिवार को ग्रामीणों ने स्कूल की चाबी बीईओ को सौंप दी। शनिवार से स्कूल का नियमित संचालन शुरू हो गया ।

बीईओ भारती देवांगन ने बताया कि फिलहाल व्यवस्था बनाए रखने के लिए पास के मिडिल स्कूल से एक शिक्षक को प्राथमिक स्कूल में अटैच किया गया है। ग्रामीणों का कहना था कि 91 बच्चों वाले स्कूल में केवल एक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई संभव नहीं है। शिक्षक को पढ़ाई के साथ प्रशासनिक कार्य भी करने पड़ते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने स्कूल में ताला जड़ दिया था। शिक्षा विभाग के आश्वासन के बाद विवाद तो शांत हो गया, लेकिन अब जिले के अन्य एकल शिक्षक वाले स्कूलों को लेकर विभाग की चिंता बढ़ गई है। जिले में कई ऐसे प्राथमिक स्कूल हैं, जहां छात्र संख्या अधिक होने के बावजूद केवल एक शिक्षक पदस्थ है। इनमें बस्तर ब्लॉक के अमड़ागुड़ा प्राथमिक स्कूल में 78 और जगदलपुर के उलनार प्राथमिक

स्कूल में 75 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।उल्लेखनिय है कि बस्तर जिले में कुल 1513 प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें से 298 स्कूल ऐसे हैं, जो सालों से सिर्फ एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन 298 स्कूलों में पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक के सभी बच्चों को पढ़ाने की पूरी जिम्मेदारी एक ही शिक्षक पर है। एक ही शिक्षक को पांच अलग-अलग कक्षाएं एक साथ संभालनी पड़ती हैं। इसके अलावा स्कूल के प्रशासनिक काम, बच्चों का नामांकन, शाला प्रबंधन, मध्याह्न भोजन की निगरानी और विभाग की अन्य कागजी जिम्मेदारियां भी उसी शिक्षक को निभानी पड़ती हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि प्राथमिक स्तर पर ही बच्चों के भाषा, गणित और सामान्य ज्ञान की नींव बनती है। जब एक शिक्षक पांच कक्षाएं एक साथ देखेगा, तो इससे बच्चों की सीखने की क्षमता पर बुरा असर पड़ेगा।

बस्तर जिले के डीईओ बीआर बघेल ने बताया कि शिक्षकों की भर्ती सीधे शासन स्तर से होती है। जैसे ही राज्य शासन नई वैकेंसी निकालेगा और नियुक्तियां होंगी, जिले में शिक्षकों की कमी दूर कर ली जाएगी। फिलहाल हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में व्यवस्था के लिए अतिथि शिक्षकों का प्रावधान है। प्राथमिक स्तर पर शासन के निर्देशों के तहत ही काम किया जा रहा है। जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या ज्यादा है और शिक्षक कम है, वहां की सूची तैयार कर शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी बच्चों का आत्मीय स्वागत

मोहला, 5 जुलाई । स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री सेजेस मानपुर में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव 2026-27 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) श्री नीलू शर्मा रहे। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि ÷शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।÷ उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय भेजने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालयों से जुड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत जन-जन में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित जनसमुदाय को साक्षरता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने सभी से स्वयं साक्षर बनने तथा अपने परिवार, पड़ोस और समाज के निरक्षर लोगों को भी साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

गंज चौक शॉपिंग काम्पलेक्स का होगा जीर्णोद्धार

महापौर ने निरीक्षण कर स्टीमेंट तैयार करने अधिकारियों को दिए निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 जुलाई। निगम की राजस्व में वृद्धि के लिए निगम सीमाक्षेत्र में निर्मित पुरानी व्यवसायिक परिसरो का जीर्णोद्धार करने महापौर मधुसूदन यादव द्वारा जोर दिया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज उन्होंने निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा तथा तकनीकि अधिकारियो के साथ गंज चैक शॉपिंग काम्पलेक्स का निरीक्षण कर साफ सफाई करने तथा उसके जीर्णोद्धार के लिए स्टीमेट तैयार करने अधिकारियो को निर्देशित किए। इसी कडी में उन्होंने उद्योग विभाग के जर्जर काम्पलेक्स का निरीक्षण कर उसे तोडने जल्द प्रक्रिया करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि गंज चैक में नगर निगम द्वारा वर्षो पूर्व शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण कर उसकी विधिवत नीलामी की गयी थी। किन्तु काम्पलेक्स के नीचे पानी भरान की स्थिति निर्मित होने के कारण दुकाने खुल नही पाई जिससे काम्पलेक्स जर्जर स्थिति में आ गया है। उसका आज महापौर यादव ने अधिकारियो के साथ जायजा लिया और उसकी जर्जर स्थिति देख कहा कि काम्पलेक्स परिसर की अच्छे से साफ सफाई की जावे तथा उसके जीर्णोद्धार के लिए स्टीमेट तैयार किया जाए।

महापौर यादव ने कहा कि काम्पलेक्स के नीचे पानी भरान की स्थिति से निपटने

नाला चैडीकरण किया जाए तथा उसके पहुच मार्ग में पाथवे तथा सीढी का निर्माण किया जाए। उक्त कार्य के लिए जल्द स्टीमेंट तैयार करे ताकि शासन स्तर पर पहल कर इसका जीर्णोद्धार किया जा सके। उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार हो जाने से काम्पलेक्स मूर्त रूप में आ जायेगी और निगम के राजस्व में वृद्धि होगी। उन्होंने काम्पलेक्स के सामने ट्रांसफार्मर हटाने विद्युत मण्डल को पत्र लिख प्रक्रिया करने कहा। इसी प्रकार उन्होंने गंज चैक स्थित उद्योग विभाग के जर्जर भवन का निरीक्षण कर उसे तोडने विभागीय प्रक्रिया करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आयुक्त विश्वकर्मा से कहा कि उक्त जर्जर भवन को तोडने उद्योग विभाग से सम्पर्क कर जल्द विभागीय प्रक्रिया करे, ताकि उसे तोडा जा सके, क्योकि भवन अत्यधिक पुरानी होकर जर्जर स्थिति में आ गयी है, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। इसे तोडने जल्द से जल्द प्रक्रिया करे।निरीक्षण के दौरान पार्षद अमित कुशवाहा, पूर्व पार्षद विजय राय सहित कार्यपालन अभियंता (संविदा) यू.के.रामटेके, प्र.सहायक अभियंता गरिमा वर्मा, उप अभियंता पिकी खाती, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा सहित निगम का तकनीकि व स्वास्थ्य अमला उपस्थित था।

समाचार संक्षेप

राजनांदगांव में डिजिटल प्रशिक्षण पर जोर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे उपस्थित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण पक्ष के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय, राजनांदगांव में गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में संगठन की विचारधारा, कार्यकर्ता प्रशिक्षण और डिजिटल तकनीक के माध्यम से संगठन को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ कर कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण की जानकारी दी गई। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आदरणीया विभा अवस्थी के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा गायकवाड़ की अध्यक्षता में बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय, राजनांदगांव में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण पक्ष के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं मंडल स्तर के प्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

एक नजर

पटेवा में बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

राजनांदगांव 5 जुलाई (तरुण छत्तीसग़ढ़ संवाददाता)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज घुमका तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पटेवा में राजस्व विभाग की टीम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। तहसीलदार घुमका मुकेश ठाकुर के नेतृत्व में राजस्व अमले ने ग्राम पंचायत पटेवा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 796/1 का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पीतांबर यादव, ठाकुर राम यादव एवं खेदूराम साहू द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया जाना पाया गया। राजस्व टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया तथा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निगम के 18 कर्मियो को मिला समयमान-वेतनमान का लाभ

राजनांदगांव 5 जुलाई (तरुण छत्तीसग़ढ़ संवाददाता)। शासन के नियमानुसार शासकीय सेवको को उनकी सेवा अवधि में वरिष्ठता के आधार पर समय समय पर पदोन्नति एवं समयमान-वेतनमान का लाभ दिया जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में नगर निगम राजनांदगांव के 18 कर्मचारियो को उनकी सेवा अवधि के 10, 20 व 30 वर्ष पूर्ण होने पर समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया। समयमान-वेतनमान के लाभ के संबंध में निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ शासन वित्त एवं योजना विभाग मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी आदेश के परिपालन में निकाय के अधिकारियो व कर्मचारियो को उनकी सेवा अवधि में निर्धारित समयकाल पूर्ण होने पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया। उन्होंने बताया कि निगम में कार्यरत 11 कर्मचारियो को तृतीय समयमान वेतनमान तथा 6 को द्वितीय व 1 कर्मचारी को प्रथम इस प्रकार कुल 18 कर्मचारियो को समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया। उक्त कर्मचारी उच्चश्रेणी शिक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, सहायक ग्रेड-3, परिचालक, लाईनमेन, भृत्य एवं सफाई कामगार के पद पर कार्यरत है। जिन्हे नियमानुसार समयकाल पूर्ण करने पर समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया।

राजनांदगांव जिले में अब तक 687.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव 5 जुलाई (तरुण छत्तीसग़ढ़ संवाददाता)। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 687.2 मिमी बारिश एवं औसत 98.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 78.8 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 145.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 106.1 मिमी, घुमका तहसील में 18.5 मिमी, छुरिया तहसील में 101.3 मिमी, कुमरदा तहसील में 144.6 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 92.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा लाल बहादुर नगर तहसील में 145.5 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 373.7 मिमी एवं औसत 53.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 34 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 107 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 21.4 मिमी, छुरिया तहसील में 71.9 मिमी, कुमरदा तहसील में 70.7 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 68.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा लाल बहादुर नगर तहसील में 107 मिमी दर्ज की गई है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने मोरकुटूम्ब में नवीन हाईस्कूल भवन का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना के तहत 9वीं की छात्राओं को सायकल वितरित, बच्चों को पाठ्यपुस्तक बांटे

प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ग्राम मोरकुटूम्ब में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव एवं लोकार्पण कार्यक्रम में हुए शामिल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 जुलाई। स्कूल शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव आज छुरिया विकासखंड के ग्राम मोरकुटूम्ब में आयोजित विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने 75 लाख 23 हजार रूपए की लागत से निर्मित नवीन शासकीय हाईस्कूल भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने निःशुल्क मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिल, विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने अगले शिक्षा सत्र से हाई स्कूल मोरकुटूम्ब को हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन करने की घोषणा की। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने छुरिया के निर्मित नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंच मार्ग, ब्राम्हणटोला में प्राथमिक शाला भवन, ग्राम घोरतालाब में नवीन पूर्व माध्यमिक शाला भवन, ग्राम गोपालपुर में हैंडपंप व शौचालय निर्माण तथा ग्राम भर्रीटोला में शिक्षक की व्यवस्था करने की घोषणा की।

प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अभिभावकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक नियमित रूप से विद्यालय पहुंचकर पालक-शिक्षक बैठक में शामिल हों तथा बच्चों की पढ़ाई और उपस्थिति की जानकारी ले। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा केवल विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अभिभावकों की भी समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता से ही शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार संभव है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट क्लास की सुविधा विकसित की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी जैसी परिस्थितियों में भी विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए स्मार्ट क्लास व्यवस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मोरकुटूम्ब विद्यालय को भी स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों में भाषा, गणित एवं आधारभूत शिक्षा को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकार विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश, साइकिल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में प्रार्थना, वंदना, संस्कार एवं अनुशासन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। उन्होंने ग्रामीणों से अपने बच्चों को स्कूल भेजने एवं बच्चों पर ध्यान देने का कहा।

खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि विद्यालय साधारण स्थल नहीं है। यहां विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य गढ़ने का काम करते है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए नियमित विद्यालय भेजने का संकल्प लेने कहा। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि जिले में इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से आगामी बोर्ड परीक्षाओं में जिले का शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का महत्वपूर्ण स्थान है, जहां वे शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और व्यक्तित्व का विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में अपने लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है तथा शिक्षा के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

भूमि के खरीद-फरोख्त पर लगा प्रतिबंध हटेगा, सड़क भी बनेगी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजेश श्यामकर के प्रयासों से क्षेत्र भर के किसान गदगद

राजनांदगांव 5 जुलाई। घुमका क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से भूमि अधिग्रहण और सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया के चलते भूमि के क्रय-विक्रय पर लगी रोक अब जल्द समाप्त होने जा रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश श्यामकर के लगातार प्रयासों के बाद जिला प्रशासन ने प्रतिबंध हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कलेक्टर जितेंद्र यादव ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर 10 दिनों के भीतर प्रतिबंध हटाने का भरोसा दिया है।

घुमका क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए लंबे समय से चली आ रही एक बड़ी समस्या का समाधान अब करीब नजर आ रहा है। भूमि अधिग्रहण और सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया के कारण टेडेसरा, अंजोरा, घुमका सहित करीब 10 से 15 गांवों में भूमि के क्रय-विक्रय पर लगी रोक जल्द हटने वाली है। इससे क्षेत्र के हजारों किसानों और भू-स्वामियों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस पूरे मामले में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश श्यामकर ने लगातार प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए। उन्होंने इस संबंध में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा राजनांदगाँव कलेक्टर जितेंद्र यादव से कई बार मुलाकात कर किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनके प्रयासों के बाद अब प्रशासन ने प्रतिबंध हटाने की प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। जानकारी के अनुसार भूमि संबंधी प्रकरणों में आवश्यक रेलवे और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर राजेश श्यामकर ने कलेक्टर कार्यालय में जमा करा दिए हैं।

वार्डो को मिल रही विकास की सौगात

बल्देवबाग में आंगनबाड़ी और 18 एकड़ में बन रहे सामुदायिक भवन का महापौर ने किया लोकार्पण

इंडस्ट्रीयल एरिया में सीमेंटीकरण एवं पूनम कालोनी में नाली निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 जुलाई। शासन द्वारा स्वीकृत राशि से वार्डो में विकास कार्य कराए जा रहे है। विकास कार्य की कडी में वार्ड नं. 15 बल्देवबाग में महिला बाल विकास परियोजना अंतर्गत 12 लाख रूपये की लागत से आंगनबाडी केन्द्र क्रं. 01 का निर्माण किया गया है। इसी प्रकार वार्ड नं. 19 के 18 एकड में शिव मंदिर के पास अधोसंरचना मद अंतर्गत 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक का निर्माण किया गया है। उक्त दोनो कार्य का आज महापौर मधुसूदन यादव ने अलग अलग कार्यक्रम में फित्ता काटकर पट्टीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। इसके अलावा उन्होंने वार्ड नं. 19 के इंडस्ट्रीयल एरिया में अधोसंरचना मद अंतर्गत

10 लाख रूपये की लागत से सीमेंटीकरण तथा पूनम कालोनी में 10 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। महापौर ने आंगनबाडी लोकापर्ण पश्चात नवजात शिशुओ का मुँह मीठा कराकर अन्नप्राशन कराया। कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन, लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, पुर्नवास एवं नियोजन विभाग के प्रभारी सदस्य डीलेश्वर साहू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, वार्ड पार्षद प्रमोद झंझाडे व रेखा पारख, समाजसेवी सुमित भाटिया, नामांकित पार्षद सूर्यकांत श्रीवास, पूर्व पार्षद शरद सिन्हा, पार्षद प्रतिनिधि अभय पारख व नादान सेन विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में वार्डवासियो ने अतिथियो का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

कार्य में लापरवाही पर तत्कालीन पटवारी निलंबित, विभागीय जांच के निर्देश

राजनांदगांव, 5 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम पेंड्री स्थित खसरा क्रमांक 368 के राजस्व अभिलेखों में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव ने प्रतिवेदित किया था कि तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम तथा तत्कालीन राजस्व निरीक्षक लेखराम साहू (वर्तमान में मृत) द्वारा ग्राम पेंड्री के खसरा क्रमांक 368 के अधिकार अभिलेख में वास्तविक रकबे से अधिक भूमि दर्ज कर अतिरिक्त रकबा भूमि अर्जन के पश्चात शेष होना प्रदर्शित किया गया। इसके आधार पर तत्कालीन तहसीलदार के समक्ष भूमि अर्जन की कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त खसरे का शेष बचा हुआ रकबा बाद में मूल भूमिस्वामी नारायण लाल, पिता हीरालाल द्वारा विक्रय कर दिया गया, जो विभिन्न अंतरणों के बाद वर्तमान में किसी अन्य के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। प्रकरण की जांच में यह पाया गया कि तत्कालीन हल्का पटवारी विनोद कुमार मेश्राम ने अपने शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरतते हुए मूल अधिकार अभिलेख से अधिक रकबा दर्ज किया, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त भूमि शेष होना प्रदर्शित हुई और उसी के आधार पर आगे की राजस्व कार्रवाई संपादित हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तथा विनोद कुमार मेश्राम के विरूद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाही प्रस्तावित होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत कलेक्टर राजनांदगांव द्वारा उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरूद्ध विस्तृत विभागीय जांच संस्थित किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर नागतराई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ (दावा), 5 जुलाई। सरस्वती शिशु मंदिर पूर्व माध्यमिक शाला, नागतराई में दिनांक 04 जुलाई 2026 को शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत नवप्रवेशी भैया-बहनों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। उन्हें हलवा खिलाकर मुंह मीठा कराया गया तथा पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि अग्रवाल (पूर्व जनपद सदस्य एवं समाजसेवी) ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नए शिक्षण सत्र की शुभकामनाएं देते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं संस्कार पूर्ण जीवन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्था प्रमुख ए.आर.पटेल, व्यवस्थापक पी.एल.पटेल, अध्यक्ष एम.एल.पटेल, उपसरपंच कुंभलाल वर्मा, पूर्व सरपंच क्षत्री वर्मा, भुवनदास वर्मा, पूर्व दीदी मंजू साहू, आचार्य चुरामन दास, राजेंद्र टंडन, विद्यालय की दीदियां, अभिभावकगण तथा बड़ी संख्या में भैया-बहनें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन कुमारी सुमन पटेल दीदी द्वारा किया गया।

भाजपा शहर मंडल में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 5 जुलाई। भाजपा शहर मंडल की मासिक बैठक, डी एल पी, पं श्यामा प्रसाद मुखर्जी जन्मदिन पखवाड़ा के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नगर के श्याम रिसोर्ट में संपन्न किया गया। जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती, डोंगरगढ़ सह प्रभारी किशन यदु, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर ने कार्यकर्ताओं को चार्ज करते हुए कहा कि आज भाजपा देश में सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और लगभग 22 राज्यों में भाजपा की सरकार सेवा भाव से कार्य कर रही है जिसका श्रेय केवल कार्यकर्ताओं की मेहनत को जाता है कार्यकर्ता ही पार्टी की वह मजबूत कड़ी है जो पूरी निष्ठा से बूथ स्तर पर काम करके सरकार बनाने में अहम योगदान देते हैं पार्टी के इतिहास के बारे में सभी कार्यकर्ताओं को जानकारी होना चाहिए ताकि पार्टी के कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके। वक्ताओं ने पार्टी के संस्थापक पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म पश्चिम बंगाल में हुआ था जिन्होंने पार्टी के लिए अपने जान की बाजी लगा दी आज पश्चिम बंगाल में भी भाजपा का परचम लहरा रहा है। जो केवल कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है ऐसे ही सभी कार्यकर्ता आपस में मिलजुल कर अपने- अपने क्षेत्र में पार्टी हित में काम करें ताकि आने वाले समय में बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

125 दिवस का रोजगार, 300 रुपए प्रतिदिन मजदूरी और मेट का दायित्व बना आत्मनिर्भरता का आधार

वीबी-जीरामजी योजना से दिव्यांगों को मिला सम्मान और रोजगार का संबल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 जुलाई। शासन की महत्वाकांक्षी विकसित भारत-जीरामजी (ग्रामीण रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन) योजना जिले के दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। योजना के माध्यम से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने के साथ ही उन्हें जिम्मेदारीपूर्ण कार्य सौंपकर आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है। पहले जहां मनरेगा के तहत 100 दिवस का रोजगार मिलता था, वहीं अब वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत 125 दिवस का रोजगार तथा 300 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे दिव्यांग हितग्राहियों की आय बढ़ने के साथ उनका आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है।

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुंदरा निवासी दिव्यांग चंद्रप्रकाश साहू ने बताया कि वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत उन्हें 100 मजदूरों के लिए मेट का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व की बात है। पहले उन्हें मनरेगा के तहत 100 दिवस का रोजगार मिलता था, लेकिन अब 125 दिवस का रोजगार और 300 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी मिल रही है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। चंद्रप्रकाश ने बताया कि राजनांदगांव प्रवास के दौरान जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक

चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए अविस्मरणीय क्षण है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और समाज में सम्मानपूर्वक आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वीबी-जीरामजी योजना दिव्यांगजनों को केवल रोजगार ही नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का अवसर भी प्रदान कर रही है।

इसी प्रकार विकासखंड डोंगरगांव के ग्राम कोहका निवासी दिव्यांग सुश्री रंभा मंडावी ने बताया कि उन्हें भी वीबी-जीरामजी योजना के अंतर्गत मेट का कार्य मिला है। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा में 261 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी दर से 100 दिवस का रोजगार मिलता था। अब वीबी-जीरामजी योजना के तहत 125 दिवस का रोजगार और 300 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी मिल रही है। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव प्रवास के दौरान जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस सम्मान से उनका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मेट के रूप में कार्य करने के साथ-साथ वे गांव के लोगों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी देती हैं, ताकि पात्र हितग्राही समय पर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। दोनों हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीबी-जीरामजी योजना दिव्यांगजनों के लिए सम्मानजनक आजीविका का सशक्त माध्यम बन रही है। योजना के माध्यम से बढ़े कार्य दिवस, बेहतर मजदूरी और जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व ने उनके जीवन में नई आशा, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा मिला है।

मैंने ऐ सूरज तुझे पूजा नहीं, समझा तो है... मेरे हिस्से में भी थोड़ी धूप आनी चाहिये...

रायपुर नकटी गांव से सामने आई तस्वीरें सिर्फ मकानों के ढहने की नहीं, गरीबों के सपने भरोसे टूटने की कहानी बयां कर रही हैं। प्रस्तावित विधा यक कॉलोनी निर्माण के लिए प्रशासन का पुलिस बल की मौजूदगी में करीब 80 घरों पर बुलडोजर चला। सवाल यह है कि इनमें 32 घर वही थे, जो प्रधानमंत्री आवास, इंदिरा आवास योजना के तहत बने थे। जिस सरकार ने गरीबों को पक्का घर देने का दावा किया उसी सरकार ने अपने विधायकों के आलीशान आवासों के लिए उन्हीं गरीबों की छत छीन ली, यह कैसा विकास है..? भाजपा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल नहीं चाहते थे लोगों को उजाड़कर विधायक कॉलोनी बने, वे लगातार इसका विरोध भी करते रहे, एक साल पहले 7 जून 2025 को सीएम को पत्र भी लिखा था पर.....वैसे अपनी ही साय सरकार में मोहन भैया की उपेक्षा की खबर आती ही रहती हैं.... !कहा जाता है, नकटी मामले में एक मंत्री की बड़ी भूमिका रही है...?

छत्तीसगढ़ के सबसे वरिष्ठ अफसर हैं डीजीपी अरुण देव...

मुख्य सचिव, राज्य सरकार का सर्वोच्च कार्यकारी अधिकारी, सिविल सेवक होता है। राज्य सिविल सेवा बोर्ड, सचिवालय, कैडर, भारतीय स्वतंत्रता सेवा, राज्य सरकार के कार्य के अंतर्गत सभी सिविल सेवाओं का पदेन प्रमुख होता है।मुख्यसचिव राज्य प्रशासन के सभी मामलों में सीएम के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्य करता है। मुख्य सचिव सबसे वरिष्ठ अफसर होता हैं पर मौजूदा समय में सीएस, डीजीपी से 2 साल जूनियर हैं।आईपीएस अरुणदेव 1992 बैच के हैं, प्रमुख सचिव गृह निहारिका बारिक सिंह ने 16 मई को आदेश जारी उन्हें स्थायी डीजीपी बना दिया हैं। सरकार ने 17 महीने पहले प्रभारी डीजीपी की जिम्मेदारी दी थी।वैसे वरिष्ठता के हिसाब से डीजीपी गौतम 1992 बैच के आईपीएस हैं, मुख्य सचिव विकासशील 1994 बैच के आईएएस हैं यानि 2 साल जूनियर हैं पर उनका ओहदा बड़ा हैं, अधीन गृहविभाग ही डीजीपी की पद स्थापना का आदेश जारी करता है। इधर छग के वन विभाग के मुखिया 1994 बैच के आईएफएस अरुण पांडे को पीसीसीएफ बनाया गया हैं।

बस्तर आईजी मीणा के नाम हैं कई रिकार्ड...

बिलासपुर, दुर्ग के बाद अब बस्तर के आईजी के रूप में आईपीएस बद्रीनारायण मीणा ने कार्यभार सम्हाल लिया है, मूलतः राजस्थान के रहने वाले आईपीएस बद्रीनारायण मीणा 2004 बैच के हैं।मीणा के पास पुलिसिंग कानून- व्यवस्था संभालने का लंबा अनुभव है।अब उनके कंधों पर छग के सबसे चुनौतीपूर्ण, संवेदनशील बस्तर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व करने, सुरक्षातंत्र को दुरुस्त रखने की बड़ी जिम्मे दारी हैं, वे पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में आई जी पद पर कार्यरत थे, छग में संभवतःसबसे अधिक 9 जिलों में एसपी, एस एसपी रहने का रिकार्ड है।बलरामपुर, कवर्धा, राजनांदगांव, जगदलपुर, कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, दुर्ग के एसपी, एसएसपी भी रहे हैं। मीणा, बिलासपुर के एसपी रहे तो वहीं आईजी भी बने, दुर्ग एसपी रहे वहीं आईजी भी बने, सुन्दरराज पी, की प्रति नियुक्ति के बाद बस्तर आईजी बने हैं, वे जगदलपुर के भी एसपी रह चुके हैं, सुंदरराज पी, 5 वर्षों से लगातार बस्तर रेंज की कमान संभाल रहे थे। अपने करियर में बस्तर एएस पी, एसपी, डीआईजी, आईजी जैसे पदों पर करीब 14 वर्षों तक सेवाएं दीं। भारत सरकार के एनआईए में नई जिम्मेदारी निभाएंगे।

एसपी की बस्तर में प्रशिक्षण पाठशाला...

छत्तीसगढ़ के मूल निवासी डीएसपी से आईपीएस बने कोंडागांव जिले में एसपी बने पंकज चंद्रा अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकाल प्रति योगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे बच्चों के लिये शिक्षक की भूमिका भी निभाते हैं, साहब सक्रिय हैं तो एडीशनल एसपी डीएसपी, प्रशिक्षण में सहयोग दें रहे हैं, बस्तर नक्सलमुक्त हो गया है अब यहां के बच्चे आगे बढ़ना चाहते हैं, सबसे बड़ी बात यह है कि एसपी की पाठशाला में लड़कियों की संख्या भी बहुत है। आईपीएस चंद्रा का मानना है कि बस्तर के बच्चे प्रतिभाशाली हैं, शारीरिक दक्षता में तो ये बेजोड़ हैं, केवल शैक्षणिक वातावरण नहीं मिलता, प्रतियोगी परीक्षाओं की कैसे तैयारी करें इसे लेकर मार्गदर्शन किया जाता हैं वहीं सेना के रिटायर अधिकारी बच्चों को शारीरिक मापदंड के अनुरूप प्रशिक्षित कर रहे हैं। प्रशिक्षण निशुल्क है।केवल 15 बच्चों, बच्चियों से शुरू प्रशिक्षण में आज 117 लोग शामिल हो चुके हैं।

और अब बस....

- एसपी, एडीशनल एसपी, डीएसपी की तबादला सूची कहां अटक गई है...?
- रायपुर के ही 10वीं पास किसान अश्विनी बांधे (53) का दावा है, स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग, सामने बना गार्डन उनके ही पूर्वजों की जमीन पर बना है। इस जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में करीब साढ़े 3 हजार करोड़ का मुआवजा मांगने गये हैं।

एक नजर

नवा रायपुर में 100 सीटों वाले मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव

रायपुर, 5 जुलाई। नवा राजधानी नवा रायपुर को जल्द ही आधुनिक मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात मिल सकती है। आयुष विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में 100 सीटों वाला मेडिकल कॉलेज शुरू करने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। कॉलेज खोलने की स्वीकृति मिलने के बाद ही विवि प्रशासन ड्राइंग-डिजाइन तैयार करेगा। इसके बाद कालेज निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विवि प्रशासन को फिलहाल शासन की मंजूरी का इंतजार है। जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए वित्त विभाग से मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन अभी तक प्रशासनिक मंजूरी नहीं मिली है। इस कारण से विवि प्रशासन आगे की कार्यवाही नहीं कर पा रहा है। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद कालेज खोलने की कवायद शुरू की जाएगी। विवि प्रशासन के अनुसार मेडिकल कॉलेज का संचालन आयुष विश्वविद्यालय परिसर से ही किया जाएगा। वहीं, मेडिकल कॉलेज से संबद्ध 300 बिस्तरों का अत्याधुनिक शिक्षण अस्पताल भी नवा रायपुर के समीप स्थापित किया जाएगा, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण क्लीनिकल प्रशिक्षण मिलने के साथ आम लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

शिक्षक सम्मान समारोह 9 अगस्त को

रायपुर, 5 जुलाई। शिवानी स्मृति सेवा संस्थान, रायपुर द्वारा गत् वर्षानुसार इस वर्ष भी 9 अगस्त को विमतारा भवन, शांतिनगर, रायपुर में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें स्कूल के द्वारा नामांकित शिक्षा प्रदाताओं को शिक्षादीप सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसमें सिर्फ रायपुर में निवासरत शिक्षक शिक्षिकाओं को ही सम्मानित किया जाएगा।

प्रदेशव्यापी पौधारोपण अभियान 6 जुलाई को

रायपुर, 5 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह ठाकुर के आह्वान पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में 6 जुलाई को पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर में लगभग 20 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। जिसमे सांसद, विधायक व क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित होंगे। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह ठाकुर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के सभी जिला संयोजकों एवं जिला प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। साथ ही प्रत्येक जिले में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर वाहनों के उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित

रायपुर, 5 जुलाई। लास्ट माइल ट्रांसपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहन बना रही जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज ने छत्तीसगढ़ में थ्री-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। सेंट्रल इंडिया की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज ने अपने 5, 000वें इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन पूरा करने की उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि पर कंपनी के उत्पादन संयंत्र में जीके ग्रुप के डायरेक्टरगण अमर परवानी, किरण परवानी, अनमोल परवानी, मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश दसारी तथा पूरी जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज टीम की उपस्थिति में अमर परवानी ने 5, 000वें इलेक्ट्रिक वाहन का फ्लैग-ऑफ किया तथा इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव मनाया गया। जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज की उत्पादन यात्रा की शुरुआत सितंबर 2022 में हुई है और जीके ई-व्हीकल इंडस्ट्रीज ने बेहद कम समय में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए लॉन्च के पहले ही वर्ष में छत्तीसगढ़ की अग्रणी इलेक्ट्रिक तीन-पहिया थ्री-व्हीलर वाहन निर्माता कंपनी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की।

30 मिनट में 30 मिमी बारिश, घरों में घुसा पानी

रायपुर, 5 जुलाई। छत्तीसगढ़ में मानसून ने आखिरकार अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार रात रायपुर समेत कई जिलों में ऐसी बारिश हुई कि आधे घंटे में ही सड़कें तालाब बन गईं और कई घरों में पानी घुस गया।

राजधानी रायपुर में सिर्फ 30 मिनट में 30मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। टाटीबंध इलाके के घरों में पानी भर गया, जबकि मंडी गेट, बीजेपी कार्यालय और रोहिणीपुरम कॉलोनी में भी जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। दुर्ग, राजनांदगांव और जगदलपुर में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि अगले दो दिन मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने का भी खतरा बना हुआ है। सुकमा, बीजापुर, बस्तर, रायपुर, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद, राजनांदगांव और कई अन्य जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों से पेड़ों, बिजली के खंभों और खुले मैदानों से दूर रहने की अपील की गई है। पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 140 मिमी बारिश बाड़े बचेली में दर्ज की गई। वहीं कबीरधाम में तेज बहाव के बीच यात्रियों से भरी पिकअप रपटा पुल पर फंस गई, जिसे ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला।

रायपुर समेत कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

आईएमडी ने ऑरेंज और येलो अलर्ट किया जारी

रायपुर, 5 जुलाई। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया का छत्तीसगढ़ में प्रभाव देखने को मिल रहा है. राजधानी रायपुर में शनिवार को जमकर बारिश हुई. कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी गई. बिलासपुर और बस्तर संभाग के कुछ जिलों में बारिश बारिश हुई है. हालांकि मौसमी वर्षा सामान्य से 46 त्न कम रही. अगले 2 दिनों में मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में जमकर बादल बरसेंगे. प्रदेश में शनिवार को अधिकांश स्थानों पर पानी बरसा है. अधिकतम तापमान रायपुर में 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान राजनांदगांव में 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

राजधानी रायपुर में बीते रात हुई बारिश के बाद रविवार सुबह से आसमान में बादलों ने डेरा डाला हुआ है. मौसम विभाग ने आज बादल के गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवा चलने की संभावना जताई है. अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है.

कई वार्डों में बाढ़ जैसी स्थिति

दोपहर की बारिश से ही रायपुर की सड़कें नालियों में तब्दील हो गई थी। देर रात की बारिश के बाद तो हालात नियंत्रण से बाहर हो गए। नगर निगम और जिला प्रशासन की तैयारी की पोल पूरी तरह खुल गई। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। महामाया मंदिर वार्ड, वामनराव लाखे वार्ड, मैत्री नगर, भक्त माता कर्मा वार्ड, डॉ खूबचंद बघेल वार्ड, रविंद्र नाथ टैगोर वार्ड, छत्तीसगढ़ नगर, धर्मनगर, संजय नगर की बस्तियां और कॉलोनी सुबह पूरी तरह जलमग्न हो गई सुबह 4:00 बजे से लोगों ने अपनी परेशानियां बताई, किसी तरह की मदद मिल नहीं पा रही थी। सुबह 04 बजे से मैंने कोशिश की परेशानी के दौरान उनके साथ खड़ा हो सकूं। जल भराव को राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता का परिणाम है। शहर के सभी नालों में कब्जा हो चुका है। नालों में घर और दुकान बना लिए यह सब कुछ बिना संगठित संरक्षण के संभव नहीं था।

पहली बारिश में बह गई रेलवे की तैयारियां! करोड़ों के मेंटेनेंस पर उठे बड़े सवाल

राजधानी रायपुर की सड़कों के बाद अब रेलवे स्टेशन की बदहाली भी पहली ही तेज बारिश में सबके सामने आ गई। यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक सफर का दावा करने वाले रेलवे की पोल उस वक्त खुल गई, जब रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 की छत से झरने की तरह पानी बहने लगा। बारिश से बचने के लिए शेड के नीचे खड़े यात्री खुद उसी छत से गिरते पानी में भीगते नजर आए। यह दृश्य किसी रेलवे स्टेशन का नहीं, बल्कि किसी कृत्रिम झरने जैसा दिखाई दे रहा था। रेलवे हर साल मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर स्टेशन, प्लेटफॉर्म और छतों के रखरखाव के दावे करता है। लेकिन पहली ही बारिश ने इन दावों की हकीकत उजागर कर दी। जिस छत के नीचे यात्रियों को राहत मिलनी थी, वही छत उनके लिए आफत बन गई। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर बारिश से बचने के लिए यात्री शेड के नीचे बैठे और खड़े थे। अचानक छत से तेज धार में पानी गिरना शुरू हो गया। कुछ ही मिनटों में पूरा प्लेटफॉर्म पानी से भर गया। यात्रियों को अपना सामान बचाने और खुद भीगने से बचने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा। कई यात्रियों के बैग और जरूरी सामान भी भीग गए। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों को झेलनी पड़ी।

रेलवे के दावों पर खड़े हुए सवाल: रायपुर रेलवे स्टेशन मध्य भारत के सबसे व्यस्त स्टेशनों में गिना जाता है, जहां रोजाना हजारों यात्री सफर करते हैं। इसके बावजूद यदि स्टेशन की मूलभूत व्यवस्था ही पहली बारिश में जवाब दे दे, तो रेलवे के रखरखाव और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे सुविधाओं के नाम पर लगातार दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है।

मुख्यमंत्री और कैबिनेट ने किया अनुलोम-विलोम

रायपुर। चिंतन शिविर 3.0 के दूसरे दिन की शुरुआत रविवार सुबह योग और प्राणायाम के साथ हुई। नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित विशेष योग सत्र में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने योग को भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन के लिए योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। सीएम ने कहा कि स्वस्थ्य शरीर से ही सुशासन होता है।

योग से बढ़ती है कार्यक्षमता:

योग सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और अनुशासित बनाने की एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति की कार्यक्षमता बढ़ाता है, मानसिक तनाव को कम करता है और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में योग लोगों को मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन-प्रशासन में बेहतर निर्णय लेने के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है। इसी सोच के साथ चिंतन शिविर 3.0 के प्रत्येक दिन की शुरुआत योग से की जा रही है, ताकि सभी प्रतिभागी सकारात्मक सोच, एकाग्रता और नई ऊर्जा के साथ राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर मंथन कर सकें।

करोड़ों दिलों में गूंजती रहेगी तंबूरे की तान : साव

रायपुर, 5 जुलाई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि, इस दुखद खबर से हम सभी को गहरा आघात लगा है। उन्होंने प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। वहीं यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पंडवानी की पहचान डॉ तीजन बाई से थी। श्री साव ने कहा कि, उनका जाना देश के लिए और छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी कभी भरपाई नहीं हो सकेगी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। करोड़ों दिलों पर तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी। अरुण साव ने कहा कि, डॉ. तीजन बाई जी की पंडवानी प्रस्तुति अद्भुत थी, पंडवानी यानी महाभारत में पांच पांडव की कहानी। इसे वे अभिनय, लयबद्ध और सहयोगियों की संगीत से ऐसी प्रस्तुति दी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने इसके जरिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति को देश और विदेश में प्रसारित किया। गांवों में आज भी उनकी पंडवानी कथा अमर है।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था देश में सबसे बदहाल: कांग्रेस

रायपुर, 5 जुलाई। भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह बेहद चिंता का विषय है कि स्वास्थ सुविधा देने में छत्तीसगढ़ सरकार अन्य राज्यों की अपेक्षा फिसड्डी है।छत्तीसगढ़ में जिन मरीजों की मौते हो रही है।उनमें से 60 प्रतिशत से अधिक मरीजो की मौत केवल इसलिये हो रही है कि उनका समय पर ईलाज एक प्रशिक्षित डॉक्टर और स्टाफ से नहीं हो पाता है। सेंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि छत्तीसगढ़ में होने वाली कुल मौतो के पीछे एक बड़ा कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित डॉक्टरो की कमी है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ इस प्रकार की मौतो के मामलो में बिहार और झारखंड के बाद तीसरे स्थान पर है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता में लोगो का ईलाज है ही नही, भाजपा सरकार के लिये स्वास्थ्य विभाग केवल भ्रष्टाचार करने का अड्डा मात्र बना हुआ है। प्रदेश के वर्तमान 10 मेडिकल कालेजो में 2660 स्वीकृत पदो में से 1290 पद लगभग आधे खाली पड़े है। ऐसे में मरीजो का कैसे ईलाज होगा।

स्वास्थ्य जागरूकता व्यापारिक उन्नति का आधार : थौरानी

रायपुर, 5 जुलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज द्वारा कल शाम वी.आई.पी. चैक, जी.ई. रोड स्थित होटल बेबीलॉन कैपिटल में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गंभीर स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वर्तमान समय में घुटनों और जोड़ों की गंभीर समस्याओं और उनके आधुनिकतम उपचार रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विषय पर केंद्रित थी। कार्यक्रम में डॉ. पंकज धाबलिया रायपुर के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और अनुभवी हड्डी रोग विशेषज्ञ, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स, में ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स इंजरी विभाग के प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि एक आर्थोपेडिक सर्जन के रूप में हमारा काम सिर्फ हड्डियों को जोड़ना नहीं है, बल्कि मरीज के जीवन की गतिशीलता को वापस लौटाना है। तकनीकी रूप से उन्नत होना जरूरी है, लेकिन उसके साथ ही मरीज के प्रति संवेदनशीलता और उसकी मानसिक स्थिति को समझना भी उतना ही आवश्यक है। आज की गतिहीन जीवनशैली हमारी हड्डियों को समय से पहले कमजोर कर रही है। दवाओं से ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी दिनचर्या में शारीरिक सक्रियता और संतुलित आहार को शामिल करें। आपकी हड्डियों की मजबूती ही आपके बुढ़ापे का असली सहारा है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26